

ईरान के चाबहार पोर्ट का लाभ किसी भी सूरत में नहीं खोना चाहता भारत

पाकिस्तान को बायपास कर अफगानिस्तान व सेंट्रल एशिया के मार्केट को पकड़ने के लिए चाबहार की बड़ी अहमियत है

—जाल खंबाता—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 3 मई। भारत के लिए रणनीतिक चाबहार बंदरगाह परियोजना एक सपना थी, क्योंकि इससे वह पाकिस्तान को बायपास कर अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक सीधे पहुँच सकता था। अब, अमेरिकी प्रतिबंधों की छूट समाप्त होने के बाद, ये उम्मीदें संकट में हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि भारत के पास अभी भी एक ट्रिक बची है।

उत्तर-पश्चिम में शत्रुदेश पाकिस्तान के होने का अर्थ है कि भारत को अफगानिस्तान और लाजपट मध्य एशियाई बाजार तक सीधा मार्ग न मिले। इस बाधा को पार करना जरूरी था। वर्ष 2003 में भारत ने ईरान के साथ चाबहार पोर्ट विकसित करने के लिए बातचीत शुरू की। एक दशक बाद, बंदरगाह के दो टर्मिनलों में से एक का संचालन करने के लिए साझेदारी

■ अमेरिका ने चाबहार बंदरगाह प्रोजेक्ट पर प्रतिबंध लगाकर छूट दी हुई थी। यह छूट गत सप्ताह समाप्त हो गई। इससे चाबहार प्रोजेक्ट के भविष्य पर संकट के बादल छा गए हैं।

■ भारत ने "टैक्नीकल प्रोग्रैमेटिज़्म" की नीति अपनाते हुए इस गतिरोध को दूर करने का रास्ता निकाला है। भारत अस्थाई रूप से चाबहार प्रोजेक्ट की अपनी हिस्सेदारी एक ईरानी ठी ईकाई को ट्रांसफर करेगा, प्रतिबंध काल के लिए। जब प्रतिबंध हट जाएंगे तो पोर्ट का नियंत्रण वापस भारत के पास आ जाएगा।

■ अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से टकराव से बचते हुए जियो पोलिटिकल वास्तविकता के साथ संतुलन प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति की विशेषता मानी जाती है।

औपचारिक रूप से स्थापित की गई। लेकिन इस सप्ताह की शुरुआत में परियोजना पर लगाए गए प्रतिबंधों पर अमेरिकी छूट की अवधि समाप्त होने

के साथ ही, भारत फिर से शुरुआती स्थिति में पहुँच गया, लेकिन पूरी तरह नहीं। यहाँ पर दिल्ली ने मास्टरस्ट्रोक खेला।

सीमित विकल्पों के बीच, भारत अब अपनी हिस्सेदारी अस्थायी रूप से एक स्थानीय ईरानी इकाई को हस्तांतरित करने पर विचार कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, इस व्यवस्था में ईरानी इकाई प्रतिबंधों की अवधि के दौरान, संचालन का प्रबंधन करेगी। जब प्रतिबंध हटा दिए जाएंगे, नियंत्रण वापस भारत के पास जाएगा। विशेषज्ञ इसे "रणनीतिक व्यावहारिकता" (टैक्निकल प्रोग्रैमेटिज़्म) कह रहे हैं।

यह संकेत देता है कि दिल्ली लंबी अवधि के लिए तैयार है, जैसे क्रिकेट में टेस्ट मैच खेलते समय धैर्य बनाए रखा जाता है।

यही भारत की खेल योजना है। इस योजना के अनुसार, भारत चाबहार से पीछे भी नहीं हटेंगा, तथा ट्रंप के साथ टकराव से भी बच जायेगा। यह वही कला है, जिसे भारत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक सनकी अमेरिकी (श्रेष्ठ अंतिम पृष्ठ पर)

भारत ने विश्व का पहला ऑप्टोसार सैटेलाइट लॉन्च किया

नई दिल्ली, 03 मई। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को दुनिया के पहले ऑप्टोसार सैटेलाइट "मिशन दृष्टि" के सफल प्रक्षेपण की सराहना की है। बंगलूरु स्थित अंतरिक्ष स्टार्टअप गैलेक्सआई ने इस उपग्रह को बनाया है।

■ आधुनिक तकनीक का यह उपग्रह किसी भी मौसम/बादलों के बीच व रात के अंधेरे में धरती की स्पष्ट तस्वीरें लेने में सक्षम है।

गैलेक्सआई के मिशन दृष्टि उपग्रह को रविवार को कैलिफोर्निया से स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में भेजा गया। यह भारत में किसी निजी संस्थान की ओर से बनाया गया अब तक का सबसे बड़ा उपग्रह है। प्रधानमंत्री ने इस उपलब्धि को भारत के लिए गौरवशाली बताया है। (श्रेष्ठ अंतिम पृष्ठ पर)

होर्मुज़ पर ईरान नये कानून की तैयारी में

तेहरान, 03 मई। मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच ईरान अब होर्मुज़ जलडमरूमध्य को लेकर नया कानून लाने की तैयारी में है। ईरानी संसद के उपाध्यक्ष हमीदरेजा हाजी-बाबाई ने संकेत दिया है कि प्रस्तावित कानून के तहत इजरायल से जुड़े जहाजों के इस अहम समुद्री मार्ग से गुजरने पर रोक लगाई जा सकती है।

उन्होंने कहा कि इस प्रस्ताव में दुश्मन देशों के जहाजों के लिए कड़े प्रावधान शामिल किए गए हैं। ऐसे जहाजों को जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए युद्ध से जुड़े नुकसान की भरपाई

■ इजरायल से जुड़े जहाजों के गुजरने पर रोक तथा दुश्मन देशों के जहाजों से युद्ध से नुकसान की भरपाई के संकेत।

करनी पड़ सकती है। इसके साथ ही अन्य देशों के जहाजों को भी ईरान से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य किया जा सकता है।

हाजी-बाबाई के मुताबिक, युद्ध के बाद क्षेत्रीय हालात बदल चुके हैं और अब होर्मुज़ में जहाजों की आवाजाही पहले जैसी नहीं रहेगी। उनका कहना है कि यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक हितों को ध्यान में रखकर उठाया जा रहा है।

अगर यह कानून लागू होता है तो (श्रेष्ठ अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान ने अमेरिका को 14 सूत्री शांति प्रस्ताव भेजा

ट्रंप ने कहा कि लगता नहीं ईरान से बात बन पाएगी, शांति प्रस्ताव की गहराई से समीक्षा करेंगे

■ ईरान के प्रस्ताव में आक्रमण नहीं करने की गारंटी, नाकाबंदी हटाने तथा लेबनान सहित, मोर्चा पर युद्ध समाप्त करने की माँग की गई है।

■ निक स्टोवर्ट ईरान के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए काम कर रही टीम में शामिल हो गए हैं। वे तेजतर्रार और अनुभवी नीति विशेषज्ञ हैं। ट्रंप के पहले कार्यकाल में वे विदेश विभाग के सदस्य थे।

वाशिंगटन/दोहा/तेहरान, 03 मई। ईरान ने अमेरिका को नया शांति प्रस्ताव भेजा है। यह प्रस्ताव 14 सूत्रीय है। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने स्वीकार किया है कि यह प्रस्ताव मिल चुका है। उन्होंने शनिवार को पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रनवे पर पत्रकारों को यह जानकारी दी। ट्रंप ने साफ किया कि उन्हें अभी भी नहीं लग रहा कि ईरान से बात बन पाएगी। उन्होंने कहा कि वे शांति प्रस्ताव की गहराई से समीक्षा करेंगे। इस बीच अमेरिका-इजरायल के फरवरी के आखिर में किए गए सैन्य हमले के बाद होर्मुज़ जलडमरूमध्य में संकट लगातार गहरा रहा है। कतर के प्रधानमंत्री ने ईरान के विदेशमंत्री से सूझबूझ से काम लेने की सलाह दी है।

सीबीएस न्यूज, फॉक्स न्यूज, अल जजिरा और तसनीम की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने पत्रकारों को बताया कि ईरान ने अभी-अभी प्रस्ताव भेजा है। बावजूद इसके उन्हें नहीं लगता कि ईरान समझौता कर पाएगा। इसमें आक्रमण न करने की गारंटी, नाकाबंदी हटाने और लेबनान सहित सभी मोर्चों पर युद्ध समाप्त करने की माँग की गई थी। उन्होंने कहा, "मैंने इसे अभी देखा नहीं है। मैं प्रस्ताव की समीक्षा करूँगा। इसके बाद ही हमारे रूख की मीडिया को

आधिकारिक जानकारी दी जाएगी। ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत के कुछ समय बाद ट्विटर सोशल पर लिखा, "मुझे नहीं लगता कि ईरान का शांति प्रस्ताव स्वीकार्य होगा। ईरान ने पिछले 47 वर्षों में मानवता और दुनिया के साथ जो कुछ भी किया है, उसके लिए उसने अभी पूरी कीमत नहीं चुकाई है। उन्होंने कहा कि ईरान में सब कुछ तबाह हो चुका है। वह समझौता करने के लिए लालायित है।" उन्होंने दुहराया कि अगर अमेरिका ईरान से हट भी जाए तो भी तबाह हुए मुल्क को खड़ा होने में 20 साल लग जाएंगे। ट्रंप ने कहा, मुश्किल यह है कि यही समझ में नहीं आ रहा कि इस समय ईरान का सर्वमान्य नेता कौन है। कभी कोई आगे आ जाता है तो कभी कोई। ऐसी स्थिति में इस बात की पक्की संभावना है कि अमेरिका फिर से कुछ ठिकानों पर सैन्य हमले शुरू कर सकता

है। अगर ईरान ने कोई बेजा हरकत की तो उसके लिए बहुत बुरा होगा। ट्रंप की हमले की टिप्पणी के बाद ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि वह अमेरिका के साथ फिर से युद्ध के लिए तैयार है।

इस बीच वाइट हाउस ने शनिवार को पुष्टि की कि निक स्टोवर्ट ईरान के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए काम कर रही राजनयिक टीम में शामिल हो गए हैं। वे राष्ट्रपति ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान विदेश विभाग के सदस्य रहे हैं। वे तेजतर्रार और अनुभवी नीति विशेषज्ञ हैं। वे विशेष दूत स्टीव विटकाफ की प्रतिभाशाली टीम के अहम सदस्य हैं।

इस समय तक चले हालात और कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल (श्रेष्ठ अंतिम पृष्ठ पर)

भारत व चीन के कैलाश मानसरोवर यात्रा संचालन पर नेपाल ने आपत्ति जताई

बालेन सरकार ने दोनों देशों को पत्र लिख कर नेपाल की भूमि पर सड़क निर्माण, व्यापार व तीर्थयात्रा नहीं करने को कहा

काठमांडू, 03 मई। नेपाल की बालेन सरकार ने लिपुलेक पास से भारत और चीन के बीच कैलाश मानसरोवर यात्रा संचालन किए जाने पर आपत्ति जताते हुए दोनों देशों को कूटनीतिक पत्र भेजा है।

नेपाल के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लोक बहादुर पौडेल क्षेत्री ने जानकारी दी कि नेपाल सरकार ने लिपुलेक क्षेत्र से कैलाश मानसरोवर यात्रा संचालन करने की योजना पर औपचारिक आपत्ति दर्ज कराते हुए भारत और चीन, दोनों को पत्र भेजा है। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने फोन पर बताया कि इस विषय पर सभी राजनीतिक दलों से परामर्श करने के बाद

■ नेपाल सरकार ने कहा कि 1816 की सुगौली संधि के अनुसार, महाकाली नदी के पूर्व स्थित लिम्पियाधुरा, लिपुलेक और कालापानी नेपाल के अभिन्न भूभाग हैं और इस विषय पर नेपाल सरकार पूरी तरह स्पष्ट और अडिग है।

नेपाल की आधिकारिक स्थिति दोनों देशों को अवगत करा दी गई है। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञापन में कहा गया है कि नेपाली भूमि लिपुलेक के माध्यम से प्रस्तावित कैलाश मानसरोवर यात्रा के संबंध में नेपाल सरकार ने अपना स्पष्ट रुख और चिंता भारत तथा चीन, दोनों पक्षों को कूटनीतिक माध्यम से पुनः जानकारी

करा दी है। सरकार ने यह भी दोहराया है कि 1816 की सुगौली संधि के अनुसार, महाकाली नदी के पूर्व स्थित लिम्पियाधुरा, लिपुलेक और कालापानी नेपाल के अभिन्न भूभाग हैं और इस विषय पर नेपाल सरकार पूरी तरह स्पष्ट और अडिग है। (श्रेष्ठ अंतिम पृष्ठ पर)

भारत ने विश्व का पहला ऑप्टोसार सैटेलाइट लॉन्च किया

नई दिल्ली, 03 मई। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को दुनिया के पहले ऑप्टोसार सैटेलाइट "मिशन दृष्टि" के सफल प्रक्षेपण की सराहना की है। बंगलूरु स्थित अंतरिक्ष स्टार्टअप गैलेक्सआई ने इस उपग्रह को बनाया है।

■ आधुनिक तकनीक का यह उपग्रह किसी भी मौसम/बादलों के बीच व रात के अंधेरे में धरती की स्पष्ट तस्वीरें लेने में सक्षम है।

गैलेक्सआई के मिशन दृष्टि उपग्रह को रविवार को कैलिफोर्निया से स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में भेजा गया। यह भारत में किसी निजी संस्थान की ओर से बनाया गया अब तक का सबसे बड़ा उपग्रह है। प्रधानमंत्री ने इस उपलब्धि को भारत के लिए गौरवशाली बताया है। (श्रेष्ठ अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा के झंडे वाले दो वाहनों को मतगणना परिसर में प्रवेश दिया गया- टीएमसी

निर्वाचन आयोग ने कहा, वाहन पास की सड़क से गुजर रहा था, जिसे जाँच के बाद जाने दिया गया

कोलकाता, 03 मई। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र के मतगणना केन्द्र के बाहर रविवार को हंगामा हुआ। तुणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा के झंडे वाले दो वाहनों को उस परिसर में प्रवेश दिया गया, जहाँ इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) रखी गई है।

यह घटना उस समय हुई, जब इससे एक दिन पहले ममता बनर्जी ने सखावत बालिका विद्यालय में स्थित इस मतगणना केन्द्र के बाहर चार घंटे तक धरना दिया। उन्होंने स्ट्रॉंगरूम में अनधिकृतिक लोगों को प्रवेश का आरोप लगाया था। मतदान खत्म होने के बाद अब

■ एक दिन पहले ममता बनर्जी ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के सखावत बालिका विद्यालय स्थित मतगणना केन्द्र पर चार घंटे धरना दिया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि स्ट्रॉंगरूम में अनधिकृतिक लोगों को प्रवेश दिया गया।

पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तुणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच सत्ता को लेकर तनाव बढ़ गया है। दोनों दलों के नेता और कार्यकर्ता राज्य भर में स्ट्रॉंगरूम की सुरक्षा पर नजर रखे हुए हैं, जहाँ उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में बंद है। भारी जीत का भरोसा जताने के बावजूद, ममता बनर्जी ने कई बार मतगणना में गड़बड़ी और ईवीएम से छेड़छाड़ की आशंका जताई है। रविवार सुबह टीएमसी

कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा के झंडे लगी दो गाड़ियाँ परिसर में घुसीं और स्ट्रॉंगरूम के पास तक पहुँच गईं। एक कार्यकर्ता ने कहा कि बिना पहचान पत्र के किसी को अंदर जाने की अनुमति नहीं है। फिर भी इन वाहनों को कैसे प्रवेश मिला। टीएमसी ने दावा किया कि पुलिस ने वाहनों को हटाने का भरोसा दिलाया। लेकिन वे कुछ समय तक वहाँ खड़े रहे। हालाँकि, निर्वाचन आयोग के एक (श्रेष्ठ अंतिम पृष्ठ पर)

मणिपुर : बम हमले में मरे दो मासूमों का 25 दिन बाद अंतिम संस्कार

नई दिल्ली, 03 मई। मणिपुर के विष्णुपुर जिले में ट्रॉलाओबी घटना में जान गंवाने वाले दो मासूम बच्चों का अंतिम संस्कार 25 दिन बाद किया गया। इस घटना ने पूरे इलाके को गहरे शोक में डाल दिया है। जानकारी के अनुसार, 7 अप्रैल को मोइरांग के ट्रॉलाओबी अवांग लीकेई इलाके में स्थित एक घर

■ गत 7 अप्रैल को एक घर पर उग्रवादियों द्वारा फेंके बम से दो बच्चों की मौत हुई थी।

पर संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा बम फेंका गया था। इस हमले में दो बच्चों की मौत पर ही मौत हुई थी, जबकि उनकी माँ गंभीर रूप से घायल हो गई थीं।

लंबे समय तक चले हालात और प्रक्रियाओं के बाद, अब जाकर दोनों बच्चों का अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार के दौरान इलाके में माहौल बेहद गमगीन रहा और लोगों ने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदन व्यक्त (श्रेष्ठ अंतिम पृष्ठ पर)

होर्मुज़ से एक और भारतीय जहाज निकला

नई दिल्ली, 03 मई। मिडिल ईस्ट में परेशानी चल रही है, लेकिन भारत के लिए राहत की खबर है। भारत के लिए गैस लेकर आ रहा जहाज सर्व शक्ति समुद्री रास्ते स्टेट ऑफ होर्मुज़ को पार कर गया है। ये जहाज मार्शल द्वीप के नाम से रजिस्टर्ड है। सरकार के अनुसार,

■ 46 हजार टन एलपीजी से भरा जहाज 13 मई को विशाखापट्टनम पहुँचेगा।

जहाज 13 मई को विशाखापट्टनम पहुँच जाएगा। मतलब, भारत को जरूरी गैस बिना किसी रुकावट के मिल जाएगी। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस जहाज में करीब 46 हजार मीट्रिक टन एलपीजी भरी हुई है। जहाज पर कुल 20 लोग काम कर रहे हैं, जिनमें से 18 भारतीय हैं। मिडिल ईस्ट के टेंशन और स्टेट ऑफ होर्मुज़ में रुकावट को लेकर सरकार ने यह (श्रेष्ठ अंतिम पृष्ठ पर)

—डॉ. सतीश मिश्रा—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 3 मई। अपने देश में तेजी से गिरती लोकप्रियता को रोकने के प्रयास में, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने प्रमति करने वाले संकेत दिए हैं। एक ओर उन्होंने धमकी दी कि अमेरिका की नौसेना ईरान से वापसी के रास्ते में क्यूबा को निशाना बनाएगी, तो दूसरी ओर उन्होंने आपातकाल का हवाला देकर कांग्रेस की समीक्षा को दरगुजर देने की मंजूरी दे दी। ईरान को लेकर ट्रंप यह स्पष्ट नहीं कर पाए कि वे सैन्य कार्रवाई फिर से शुरू करेंगे या तेहरान के प्रस्तावों को स्वीकार करेंगे। हाल ही में, शाम पाम बीचेज के नॉन-प्रॉफिट फोरम क्लब में अपने भाषण में उन्होंने कहा, "क्यूबा में कई समस्याएँ हैं।"

उन्होंने कहा, "ईरान से लौटते समय हमारा बड़ा विमानवाहक पोत, शायद यूएसएस अब्राहम लिंकन, जो

गत एक माह से अमेरिकी राष्ट्रपति क्यूबा पर बड़े रिफॉर्म करने या सैन्य कार्यवाही का सामना करने की धमकी दे रहे हैं

दुनिया में सबसे बड़ा है, हमारे पास आया, यह तट से लगभग 100 गज दूर रुकेगा और वे कहेंगे, "बहुत धन्यवाद। हम हार मानते हैं।" ट्रंप प्रशासन वर्तमान में क्यूबा सरकार पर जोर डालने के लिए महीनों से अभियान चला रहा है कि वह बड़े पैमाने पर नाटकीय रिफॉर्म करे। इसके साथ ही, ट्रंप ने बार-बार धमकी दी है कि अपनी इच्छा पूरी करने के लिए, अमेरिका इस द्वीप पर सैन्य कार्रवाई कर सकता है। ट्रंप नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रशासन ने मिडिल ईस्ट देशों को हथियारों की बिक्री को मंजूरी दी, कांग्रेस की समीक्षा को दरगुजर करते हुए उन्होंने इसके लिए आपातकाल का हवाला

दिया। यह सैन्य बिक्री, जो कुल 8.6

दूसरी ओर राष्ट्रपति ट्रंप ने इजरायल, कतर और कुवैत को 8.6 मिलियन डॉलर से अधिक हथियारों की बिक्री को मंजूरी दी। "आपातकालीन स्थिति" तथा "अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा हितों" के नाम पर ट्रंप प्रशासन ने आवश्यक कांग्रेस स्वीकृति से बचकर तुरंत हथियार सप्लाई करने का निर्णय लिया। जहाँ एक ओर वॉशिंगटन ने अपने मिडिल ईस्ट सहयोगियों को हथियार देकर समर्थन जारी रख रहा है, दूसरी ओर नाटो देशों के साथ उसके मतभेद बढ़ रहे हैं।

बिलियन डॉलर से अधिक की है, हवाई रक्षा मिसाइलों से लेकर लेज़र गाइडेंस

सिस्टम तक फैली हुई है। अमेरिकी विदेश विभाग ने हाल ही में को इसकी घोषणा की, जबकि अमेरिका और इजरायल का ईरान पर युद्ध नवें सप्ताह में प्रवेश कर गया है, और संघर्ष समाप्ति पर अभी तक कोई समझौता नहीं हुआ है, भले ही एक अस्थिर संघर्ष विराम लागू हो।

विदेश विभाग ने इजरायल को 10,000 एडवॉन्स प्रिसिजन किल वेपन सिस्टम-ए ऑल अप राउंड्स और संबंधित उपकरणों की बिक्री की अनुमति दी, जिसकी कीमत 992.4 मिलियन डॉलर है, और इसे बीएई सिस्टम द्वारा निर्मित किया गया है। अमेरिका ने कतर को 10,000 एडवॉन्स प्रिसिजन किल वेपन

सिस्टम-ए ऑल-अप-राउंड्स (सिंगल वेरिएंट) सिस्टम की बिक्री को मंजूरी दी, जिसकी कीमत 992.4 मिलियन डॉलर है। इस संभावित बिक्री का मुख्य ठेकेदार बीएई सिस्टम्स होगा। कतर ने 200 पैट्रियट एडवॉन्स कैपेबिलिटी-2 (पीएसी-2) गाइडेंस एन्हांसड मिसाइल-टैकिंग कल इंटरसेप्टर और 300 पीएसी-3 मिसाइल सेगमेंट एन्हांसमेंट इंटरसेप्टर और संबंधित उपकरण खरीदे, जिसकी कुल कीमत 4.01 बिलियन डॉलर है। लॉकहीड और आरटीएस इसके मुख्य ठेकेदार हैं।

यूएई को 1,500 गाइडेंस सैक्शन, सिंगल वेरिएंट (एयर-टू-एयर), एडवॉन्स प्रिसिजन किल वेपन सिस्टम-ए की बिक्री की अनुमति दी गई, जिसकी कुल लागत 147.6 मिलियन डॉलर है। रॉयटर्स ने बताया, कुवैत की 2.5 बिलियन डॉलर की खरीद के लिए (श्रेष्ठ अंतिम पृष्ठ पर)

अग्रिम जमानत मिलने के बाद खेड़ा दिल्ली पहुँचे

नई दिल्ली, 03 मई। उच्चतम न्यायालय से अग्रिम जमानत मिलने के बाद कांग्रेस नेता पवन खेड़ा रविवार को यहाँ पार्टी मुख्यालय इंदिरा भवन पहुँचे, जहाँ पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इससे पहले दिल्ली पहुँचने पर हवाई अड्डे पर भी पार्टी कार्यकर्ताओं ने खेड़ा का फूल-

■ हवाई अड्डे व मुख्यालय पर कार्यकर्ताओं व नेताओं ने उनका स्वागत किया।

मालाओं के साथ स्वागत किया। इसके बाद वे सीधे इंदिरा भवन पहुँचे। पत्रकारों से बातचीत में पवन खेड़ा ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व लगातार सवाल उठा रहा है लेकिन आयोग की ओर से कोई जवाब नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संविधान हमेशा संकट के समय में सहारा देता है। जब भी कोई व्यक्ति मुश्किल में होता है या (श्रेष्ठ अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

आतंक का जन्म असंतोष से होता है असमानता से इसे हवा मिलती है और यह अपनी आग में हज़ारों को लेकर जल भरता है। -मुक्ता

बोल कि लब आज़ाद हैं तेरे!

समाचारों की भी अपनी एक संवेदना होती है। वे केवल सूचनाएँ नहीं लाते, समय का त्रास और ताप भी साथ लाते हैं। रिपोर्टिंग विदाउट बाईडेंस द्वारा तैयार की गई विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूची 2026 को पढ़ते हुए ऐसा लगता है, जैसे किसी ने हमारे समय की नब्ब पर डंगली रख दी हो, और पाया हो कि वह ठीक नहीं चल रही है। इस रिपोर्ट में दर्ज यह तथ्य कि प्रेस की स्वतंत्रता पिछले पच्चीस वर्षों के सबसे निम्न स्तर पर है, केवल एक आँकड़ा नहीं है। यह हमारे समय के ललाट पर उभरती वह महीन रेखा है, जो भीतर चल रही थकान और तनाव का संकेत देती है। लोकतंत्र को यदि एक जीवित देह मानें, तो प्रेस उसकी श्वास है। श्वास का काम दिखना नहीं होता, चलते रहना होता है। लेकिन जब श्वास ही सिकुड़ने और अनियमित होने लगे, तो देह की सारी सक्रियता एक अनकहे भय से भर जाती है।

दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि यह स्थिति किसी एक देश की नहीं है। दुनिया के अनेक हिस्सों में पत्रकारिता अब ऐसे चौराहों पर खड़ी है, जहाँ सत्ता, बाजार और भौंड-इन तीन दिशाओं से दबाव आता है। सत्ता चाहती है कि कलम नियंत्रित रहे, बाजार चाहता है कि वह बिकने को तैयार हो, और भौंड चाहती है कि कलम वही लिखे जो वह पढ़ना चाहती है। और इन तीनों के बीच 'सत्य' कहीं किसी अंधेरे कोने में गर्दन झुकाए खड़ा रह जाता है। अकेला, थोड़ा असहज, और भय: अव्यक्त।

हम ऐसे विचित्र समय में जी रहे हैं जहाँ स्वतंत्रता का उच्चारण तो बार-बार होता है, पर उसका प्रयोग और अनुभव धीरे-धीरे सीमित होता जा रहा है। अब कोई यह भी नहीं कहता कि सच मत बोलो। आप खुद ही समझ जाते हैं कि सच बोलना कितना हानिप्रदाय घातक हो सकता है। भय अब अमूर्त है और पूरे वातावरण में घुला-मिला है। असल में यह ऐसा समय है जब पत्रकार और लेखक अपने भावों को कागज़ पर उतारने से पहले कई-कई बार पढ़ते और सोचते हैं कि कहीं उनकी कोई बात किसी को आहत तो नहीं कर देगी? कहीं कोई बुरा तो नहीं मान जाएगा? कहीं वे ज़्यादा ही मुख़र तो नहीं हो गए हैं? कहीं उन्होंने ऐसी कोई बात तो नहीं लिख दी है जिससे कोई प्रभावशाली या वर्चस्वशाली उनके खिलाफ़ सक्रिय हो उठेगा? और यह सोच उनकी कलम की रवानी को थाम लेता है, शब्दों की धार भौंधरी हो जाती है, जिस बात को अभिधा में कहा जाना चाहिए था वह लक्षणा या व्यंग्य की तरफ़ आशा भरी नज़रों से देखती है! और इस पूरी प्रक्रिया में बहुत बार कहने योग्य बात बिना बाहर आए ही दम तोड़ देती है।

इस रिपोर्ट में हमने देखा है कि हमारा अपना भारत भी 180 देशों की सूची में 151वें स्थान से फिसल कर 157वें स्थान पर आ गया है। भले ही आधिकारिक वक्तव्य इस रिपोर्ट को नकारें, और ऐसा करना उनके दायित्व का अभिन्न भाग है, जो लोग नियमित रूप से अखबार पढ़ते हैं, मीडिया के उपभोक्ता हैं और जिनकी आंखें, कान और दिमाग़ खुले हैं वे इस बात की पुष्टि करेंगे कि रिपोर्ट गलत नहीं है। कुछेक अपवादों को छोड़ दे तो हम पाते हैं कि हमारे सारे के सारे अखबार एक ही पंगल से चीज़ों को देखने और दिखाने लगे हैं। कहना अनावश्यक है कि वह पंगल कौन-सा है। वे ऐसी कोई बात अपने पत्रों पर नुमायां होने ही नहीं देते हैं जिससे प्रतिष्ठान को तनिक भी असुविधा हो। और यही हाल टीवी चैनलों का भी है। असल में चाहे अखबार हों या निजी टीवी चैनल, उनमें भारी निवेश होता है और जो निवेश करते हैं उनके अपने व्यावसायिक हित होते हैं। सरकारी प्रकाशनों और चैनलों की तो बात ही छोड़ दें। उनका तो धर्म ही अपने नज़रिए का प्रचार-प्रसार करना है। उनसे कोई शिकायत भी नहीं है। वैसे शिकायत तो इनसे भी नहीं है। जिस अखबार की एक प्रति के उत्पादन में

पत्रकारों कलमकारों से शालीन बने रहने की अपेक्षाएं पहले से कई गुना ज़्यादा हो गई हैं। लेकिन शालीनता जब मौन का पर्याय बन जाए तो चिंता होना स्वाभाविक है। जब भाषा की धार भौंधरी हो जाती है तो वह सत्य नहीं बखानती, केवल सूचना देती है। बहुत बार अनावश्यक सूचना। और यही वह समय होता है जब हम पाते हैं कि हम एक दोराहे पर खड़े हैं। यही वह क्षण होता है जब वर्तमान अपने ही दायित्व से पीछे हटता हुआ नज़र आता है।

इस स्थिति को हम पाठकों ने भी जैसे स्वीकार कर लिया है। वैसे, हमारे पास विकल्प भी क्या है? हमने मान लिया है कि कुछ प्रश्न टाले जा सकते हैं, कुछ तथ्यों को प्रतीक्षा में रखा जा सकता है, और कुछ आवाजों को अनसुना किया जा सकता है। हमने यह स्वीकार मान्यमान अचानक नहीं, आहिस्ता-आहिस्ता अपनाया है। लेकिन अब यह हमारी आदत में शुमार हो गया है। उन्हीं दुर्घटन कुमार ने लिखा तो था: इस शहर में वो कोई बारात हो या वादावत/अव किसी भी बात पर खुलती ही नहीं है खिड़कियाँ। क्या मुझे यहाँ रातस्थान की भी बात करनी चाहिए? एक शांत प्रदेश। कोई ख़ास उथल-पुथल, कोई बड़ा शोर-शरावा नहीं। उस फ़िल्मीडायलॉग की मॉनिड सब ठीक चल रहा है। ऑल इज़वेल! रोज़ सुबह वेण्डर अखबार डाल जाता है। अखबार उतने ही पत्रों का होता है जितने पत्रों का पहले हुआ करता था। बल्कि कभी-कभी तो उसमें ज़्यादा पत्र भी आने लगे हैं। हर पत्रा भार हुआ होता है। कभी विज्ञापन से तो कभी ख़बरों से। तो मान लें कि सब ठीक है। लेकिन उन ख़बरों का क्या जो छपती ही नहीं हैं? उन सवालियों का क्या जो कभी पूछे ही नहीं जाते हैं? उन वाक्यों का क्या जिन्हें पाठक की आंखों के सामने पहुंचने से पहले ही डिलीट कर दिया जाता है? क्या एक पाठक के रूप में आपको भी ऐसा लगता है कि बहुत कुछ है जो आपके सामने नहीं आ रहा है? अगर लगता है तो ठीक है, और नहीं लगता है तो यह चिंता की बात है। जिसे कहते हैं दृष्टि दोष, यह वैसा कुछ है। आपके सामने बहुत कुछ है और आपको दिखाई ही नहीं दे रहा है, यह तो बड़ी गंभीर बात है! नहीं है?

मैं मानता हूँ कि पत्रकारिता में संयम आवश्यक है। बात को शालीनता से और सलीके से कहा जाना चाहिए। लिखना बहुत जिम्मेदारी का काम है। तथ्यों की पूरी पड़ताल के बाद लिखा जाना चाहिए। लेकिन यह भी हम देख रहे हैं कि वर्चस्वशाली सत्ता सूचना के सारे स्रोतों को एक-एक करके सुखा रही है। सूचना के अधिकार को एकदम लुंज पुंज कर दिया गया है। हर सूचना गोपीनीयता के आवरण में लपेट कर टांड पर रख दी गई है जहाँ आपको पहुंच नहीं है। पत्रकारों कलमकारों से शालीन बने रहने की अपेक्षाएं पहले से कई गुना ज़्यादा हो गई हैं। लेकिन शालीनता जब मौन का पर्याय बन जाए तो चिंता होना स्वाभाविक है। जब भाषा की धार भौंधरी हो जाती है तो वह सत्य नहीं बखानती, केवल सूचना देती है। बहुत बार अनावश्यक सूचना। और यही वह समय होता है जब हम पाते हैं कि हम एक दोराहे पर खड़े हैं। यही वह क्षण होता है जब वर्तमान अपने ही दायित्व से पीछे हटता हुआ नज़र आता है। हम उसी क्षण में जी रहे हैं। हमारे समय की विडंबना शायद यही है कि अब हमें स्वतंत्रता दी नहीं जाती, हमें उसकी सीमा समझाई जाती है। यह कुछ ऐसा ही है जैसे कोई हमसे कहे कि आप खुलकर बोलिए, और फिर धीरे से यह और कह दे कि बस, इतना ध्यान रखिए कि आवाज़ बाहर न जाए!

यह वह समय है जब इस बात को याद किया जाना ज़रूरी हो गया है कि प्रेस को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा गया है और इसे न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका के बराबर महत्व दिया गया है। यह सही भी है। लोकतंत्र अंततः शब्दों पर ही टिका होता है। उन शब्दों पर, जो प्रश्न करते हैं, जो असहमति को स्थान देते हैं, जो असुविधा को स्वीकार करते हैं। अगर शब्द ही संकोच करने लगें, उन पर कहर लेना जाए तो वाक्य अधूरे रह जाते हैं। और अधूरे वाक्यों से कोई भी समाज अपनी पूरी कहानी नहीं लिख सकता। इसलिए सवाल केवल प्रेस की स्वतंत्रता का नहीं है। सवाल हमारी अस्मिता और हमारे अस्तित्व का है। किसी ने इस समय पर बहुत मानीखेज बात कह दी है: हमारे समय की सबसे बड़ी उपलब्धि शायद यही है कि हम चुप रहते हुए भी खुद को अभिव्यक्त मान लेते हैं। और अंत में, यह भी स्मरण कर लिया जाना चाहिए कि हमारे समय के बहुत बड़े शायर ने कहा था, बोल कि लब आज़ाद हैं तेरे! बोल जबों अब तक तेरी है!

-अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

महाराणा प्रताप-स्वधर्म और स्वराज के प्रतीक



सूर्यप्रतापसिंह

हल्दीघाटी में महाराणा प्रताप और अकबर के बीच युद्ध के निर्णय को लेकर आज तक चर्चा हो रही है। युद्ध में किसकी हार हुई? किसकी जीत इस पर विद्वान इतिहासकारों का एक मत क्यों नहीं बन पा रहा? यह समझ से परे है जबकि युद्ध की घटना युद्ध में पहले आक्रमण किसने किया? युद्ध में सेना की क्षमता किसकी ज्यादा थी? युद्ध में पीछे कौन हटा? पीछे हटना क्या युद्ध में रणनीति का भाग नहीं होता? युद्ध की नैतिकता सामान्य परिस्थितियों की नैतिकता में भिन्नता होती है। इस पर कोई दो राय नहीं है।

युद्ध में कौन जीता और कौन हारा इसका आंकलन इस बात से लगाया जा सकता है कि किस प्रकार उस युद्ध ने भविष्य को नई दिशा दी। भारत के

इतिहास में महाराणा प्रताप को स्वधर्म और स्वराज के लिए जीवन त्यागने वाले योद्धा के रूप में उदाहरण प्रस्तुत किया जा कि तत्कालिक परिस्थितियों में भारतीय राष्ट्रीयता और विदेशी हुकुमत के विरुद्ध संघर्ष के लिए प्रेरणा का स्रोत उभर कर आया है।

स्वधर्म और स्वराज के सिद्धांत को शिवाजी और गुरु गोविन्द सिंह जी ने अपने जीवन का आधार बना मुगल साम्राज्य के विरुद्ध शंखनाद किया था। वीर सावरकर को पुस्तक में लिखा है कि इसी सिद्धांत से भारत के प्रथम स्वाधीनता संग्राम 1857 प्रेरित था। वीर सावरकर ने 1857 के विद्रोह को भारतीय स्वतंत्रता का पहला युद्ध कहा था। उन्होंने 1909 में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास नामक पुस्तक लिखी थी। यह मूल रूप से सरकारी सामान्य परिस्थितियों की रसदों द्वारा प्रतिबन्धित किया गया था।

वीर सावरकर लिखते हैं कि इतिहास लेखन में घटनाओं के पीछे सिद्धांतों पर दृष्टि होनी चाहिए। विमर्श को इतिहास का दर्जा नहीं देना चाहिए जैसा कि 1857 में ब्रिटिश के विरुद्ध भारतीय आक्रोश को ग़दर-म्यूटिनी कहा गया जो कि ब्रिटिश समर्थित विमर्श से ज़्यादा कुछ नहीं है। जबकि इतिहास लेखन की दृष्टि से 1857 के

विद्रोह को भारतीय स्वतंत्रता का पहला युद्ध कहना तथ्यपरक और सिद्धान्तिक रूप से युद्ध नहीं है। इसके समर्थन में वीर सावरकर लिखते हैं कि जो सीता अपहरण को राम रावण युद्ध का कारण और कारतूस में गेंगे मांस और सूअर के मांस को 1857 के विद्रोह का कारण बताते हैं वह विमर्श और इतिहास लेखन में अंतर नहीं जानते हैं।

वीर सावरकर लिखते हैं कि स्वधर्म और स्वराज के सिद्धांत राम रावण युद्ध और 1857 के विद्रोह के कारण बने थे इसी प्रकार डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के पुत्र राजीव नैन प्रसाद की पुस्तक "राजा मानसिंह ऑफ़ आमेर" मध्यकालीन भारत में राजा मान सिंह की भूमिका पर गहन शोध है कि किस प्रकार राजनैतिक संघि कर भारत को धर्मतरण की आंधी से बचाया। नरम दल हो या गरम दल भारत के स्वतंत्रता संग्राम में स्वधर्म और स्वराज के लिए ही विदेशी हुकुमत के विरुद्ध आंदोलन हुआ था। अंतिम उद्देश्य सभी का भारत की स्वतंत्रता थी। किसी को विलम्ब से तो किसी को अविलम्ब स्वतंत्रता चाहिए थी।

स्वधर्म और स्वराज के लिए भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव ने सहर्ष फांसी की सजा स्वीकार की। महात्मा गांधी ने इस विषय पर हिन्द स्वराज नाम

की पुस्तक में अपने विचार रखे। महर्षि अरविन्द ने बंगाल विभाजन के विरोध के लिए स्वराज एवं स्वदेशी का नारा दिया। नेताजी सुभाषचन्द्र बोस स्वधर्म और स्वराज प्राप्ति के लिए भारत से बाहर स्थावर भारत को आजाद करने के लिए संघर्षरत थे। इसका चित्रण भारत के हस्तलिखित संविधान में भी मिलता है।

युद्ध में लक्ष्य प्राप्ति प्रमुख होती है। परिस्थितियों और समय के अनुसार निर्णय लेना नायक की बुद्धिमत्ता और साहस पर निर्भर होता है। महात्मा गांधी ने प्रथम आंदोलन इस बात पर शुरू किया था कि भारत को स्वतंत्रता मिलेगी। परन्तु उनका आंदोलन सफल नहीं हुआ और उन्हें लक्ष्य की प्राप्ति नहीं हुई। इस असफलता से महात्मा गांधी की महानता कम नहीं होती। इसी प्रकार चौरा-चौरा की घटना के कारण निर्णय से पीछे हटना पड़ा था। इसी प्रकार कालापानी में यातना सह रहे क्रांतिकारियों द्वारा दया याचिका से क्रांतिकारियों की महानता, त्याग और बलिदान को कम नहीं किया जा सकता है। देशभक्ति, राष्ट्रप्रेम में अपनी जान देना और अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए जिंदा रहना, दोनों ही महत्वपूर्ण हैं यह बात केवल वही समझ सकता है जिसके लिए राष्ट्र सर्वोपरि है।

चित्तौड़ का जौहर, हल्दीघाटी का युद्ध, भगत सिंह की फांसी, वीर सावरकर को काला पानी, श्री अरविन्द का पांडिचेरी जाना, चौरा-चौरा के कारण आंदोलन को रोक देना, डॉ. अम्बेडकर-गांधीजी के बीच पूना पैक्ट, ब्रिटिश सरकार में अन्दर रह कर स्वतंत्रता संग्राम को आगे बढ़ाना, द्वितीय विश्व युद्ध में भारतीयों का सेना-फौज में भर्ती होना, भारत विभाजन के विरोध आदि निर्णयों को समझने के लिए स्वधर्म और स्वराज का आधार ज़रूरी है।

समय-समय पर पाठ्यक्रमों में बदलाव की चर्चा होती रहती है। जिसमें विचारधारा के अनुसार देशभक्तों के विषय में टीका-टिप्पणी की जाती है जो कि राजनीति से प्रेरित होती है। इस तरह का चिंतन राष्ट्र निर्माण और भविष्य के लिए शुभ संकेत नहीं है। अतः यह आवश्यक है कि जिस प्रकार संविधान में बसिक स्ट्रचर ऑफ़ कांस्टिट्यूशन है इसी तर्ज पर बसिक स्ट्रचर ऑफ़ इंडियन हिस्ट्री पर सभी राजनैतिक दल एक मत हो जिस पर सरकार बदलने से विषय सामग्री न बदले।

-अधिवक्ता सूर्यप्रतापसिंह
राजावत, उपाध्यक्ष श्री अरविन्द सोसाइटी राजस्थान।

डिजिटल साक्षरता और नैतिक शून्यता

हमें एक ऐसी व्यवस्था की आवश्यकता है, जहाँ तकनीक का उपयोग तो हो, लेकिन गुरु की गरिमा और कक्षा का अनुशासन बना रहे



प्रोफेसर अशोक कुमार

किसी भी राष्ट्र की निर्यात उसकी कक्षाओं में लिखी जाती है। भारत, जिसने सदियों तक विश्व गुरु के रूप में अपनी पहचान बनाए रखी, आज एक अजीबोगरीब विरोधाभास के दौर से गुजर रहा है। एक तरफ़ हम विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का जश्न मना रहे हैं, तो दूसरी तरफ़ हमारे राष्ट्रीय चरित्र और शैक्षिक मूल्यों में एक गहरी खाई नज़र आ रही है। यह विडंबना ही है कि जब हमारे पास संसाधन सीमित थे, तब शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान और चरित्र था, लेकिन आज जब संसाधन प्रचुर हैं, तो शिक्षा महज एक उपभोक्ता वस्तु बनकर रह गई है।

अभाव का दौर और शिक्षा की गरिमा

इतिहास गवाह है कि जब भारत आर्थिक रूप से संघर्ष कर रहा था, तब समाज में शिक्षा के प्रति एक पवित्र दृष्टिकोण था। उस समय मनोरंजन के साधन सीमित थे और रोजगार के

अवसर कठिन, इसलिए शिक्षा को ही जीवन के एकमात्र उद्धार के मार्ग के रूप में देखा जाता था।

समानता का भाव: उस दौर में अमीर और गरीब के बच्चे प्रायः एक ही टाट-पट्टी पर बैठकर शिक्षा ग्रहण करते थे। शिक्षा सामाजिक मान्यता का आधार थी।

शिक्षक का स्थान: शिक्षक केवल एक कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज का नैतिक मार्गदर्शक था। उसका सम्मान उसकी संयति से नहीं, बल्कि उसकी विद्वता और चरित्र से तय होता था।

आर्थिक संपन्नता और बदलता सामाजिक ढांचा आर्थिक उदारीकरण और तकनीक के विस्तार ने समाज के एक बड़े वर्ग के लिए बिना औपचारिक शिक्षा के आजीविका के रास्ते खोल दिए हैं। आज ओला-उबर, जोमेटो-रिक्शा, और हज़ारों शोरूमों में सेल्समैन या डिलीवरी बॉय के रूप में रोजगार पाना आसान हो गया है।

अल्पकालिक संतुष्टि बनाम दीर्घकालिक विकास: युवा वर्ग को लगता है कि यदि वे 10वीं-12वीं के बाद ही 15-20 हजार रुपये कमाने में सक्षम हैं, तो उच्च शिक्षा और चरित्र निर्माण की जटिल प्रक्रिया में समय क्यों गंवाया जाए?

सोशल मीडिया का प्रभाव: फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसे मंचों ने सतही ज्ञान को बढ़ावा दिया है। लोग रील और पोस्ट को ही

अंतिम सत्य मानने लगे हैं, जिससे उनकी आलोचनात्मक सोच समाप्त हो रही है।

शिक्षा का व्यावसायिकरण और दोहरी व्यवस्था आर्थिक संपन्नता ने शिक्षा को दो हिस्सों में बांट दिया है:-

अमीर वर्ग: इनके लिए शिक्षा एक लक्जरी वस्तु है। ऊँची फीस देकर डिग्रियां तो खरीदी जा सकती हैं, लेकिन संस्कार, अनुशासन और वास्तविक ज्ञान का अभाव बना रहता है। यहाँ शिक्षा का उद्देश्य केवल नेटवर्किंग और स्टेटस सिंबल रह गया है।

गरीब वर्ग: सरकारी स्कूलों की बहाली और निजी संस्थानों की महंगी फीस के बीच गरीब बच्चा केवल कामचलाऊ साक्षरता तक सीमित रह गया है।

तकनीकी विकास और गुरु-शिष्य परंपरा का अंत ऑनलाइन शिक्षा और गूगल ने जानकारी को सुलभ तो बनाया, लेकिन ज्ञान और बोध को छीन लिया है।

खोखली डिग्रियां: ऑनलाइन परीक्षा के दूरक प्राप्त की गई डिग्रियां काज के टुकड़े से अधिक कुछ नहीं हैं। इनमें वह तपस्या और अनुशासन गायब है जो एक गुरु के सानिध्य में प्राप्त होता था।

शिक्षक की उपेक्षा: आज शिक्षक को एक सर्विस प्रोवाइडर मान लिया गया है। प्रो. अशोक कुमार के लेख के अनुसार, शिक्षकों को प्रशासनिक कार्यों, जनगणना और

चुनावी ड्यूटी में झोंककर सरकार ने उनकी गरिमा को डेटा एंट्री ऑपरटर के स्तर पर ला दिया है।

राष्ट्रीय चरित्र का संकट: एक कड़वी हकीकत

जब शिक्षा का उद्देश्य केवल पेट भरना रह जाता है, तो राष्ट्रीय चरित्र का पतन निश्चित है। आज हम सड़कों पर धुकते, गंदगी फैलाते, ट्रेंनों में धक्का-मुक्का करते और अनुशासनहीनता दिखाते समाज को देख रहे हैं।

तुलनात्मक अध्ययन: चीन, जापान और जर्मनी जैसे देश इसलिए आगे नहीं हैं कि वे केवल अमीर हैं, बल्कि इसलिए क्योंकि वहाँ अनुशासन और राष्ट्रीय गौरव उनकी शिक्षा का मूल आधार है। हमारे यहाँ व्यक्तिगत लाभ को राष्ट्रीय हित से ऊपर रखा जाने लगा है।

समाधान का मार्ग: भविष्य की राह हम तकनीक और आर्थिक प्राप्ति के युग में पीछे नहीं लौट सकते, लेकिन व्यवस्था में क्रांतिकारी सुधार अनिवार्य हैं:-

अनिवार्य और मूल्य-आधारित प्राथमिक शिक्षा:-

जिस तरह कई देशों में सैन्य सेवा अनिवार्य है, भारत में कम से कम 10वीं तक की शिक्षा मुक्त और अनिवार्य होनी चाहिए। इस शिक्षा का 50 प्रतिशत पाठ्यक्रम राष्ट्रीय चरित्र निर्माण, नैतिकता और नागरिक कर्तव्यों पर केंद्रित होना चाहिए।

शिक्षक की प्रतिष्ठा की बहाली:

शिक्षक को पुनः समाज के शीर्ष पर स्थापित करना होगा।

शिक्षकों को सरकारी आवास और बेहतर सुविधाएँ मिलनी चाहिए ताकि वे आर्थिक चिंताओं से मुक्त होकर शिक्षण कर सकें।

हर जिले की प्रशासनिक बैठकों में वरिष्ठ शिक्षकों की भागीदारी अनिवार्य हो। उनके सुझावों को केवल सुना न जाए, बल्कि उन्हें कानूनी मान्यता दी जाए।

राजनीति का शिक्षाकारण: शिक्षा को चुनावी एजेंडे में अंतिम स्थान से हटाकर प्रथम स्थान पर लाना होगा। जब तक जनता अच्छे स्कूल और पुस्तकालय के नाम पर वोट नहीं देगी, तब तक राजनेता इसमें निवेश नहीं करेंगे।

निष्कर्ष-आर्थिक संपन्नता यदि संस्कारों और चरित्र के साथ न आए, तो वह समाज को विनाश की ओर ले जाती है। हमें एक ऐसी व्यवस्था की आवश्यकता है जहाँ तकनीक का उपयोग तो हो, लेकिन गुरु की गरिमा और कक्षा का अनुशासन बना रहे। यदि हम आज अपने राष्ट्रीय चरित्र के खोखलेपन को भरने के लिए ठोस कदम नहीं उठाते, तो भविष्य की पीढ़ियाँ केवल साक्षर होंगी, शिक्षित नहीं। राष्ट्र की वास्तविक मजबूती उसकी जोड़िपी में नहीं, बल्कि उसके नागरिकों के आचरण और नैतिकता में निहित है।

-प्रोफेसर अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय

पीएम श्री स्कूलों में पदस्थापन प्रक्रिया को लेकर शिक्षकों में असंतोष

'शिक्षक संघ रेसटा की मांग है कि निष्पक्ष चयन के लिए विभागीय लिखित परीक्षा ज़रूरी है, केवल साक्षात्कार से पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं हो सकती'

श्रीगंगानगर, (निर्स)। राज्य के सरकारी शिक्षा तंत्र में गुणवत्ता सुधार की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने पीएम श्री स्कूलों में पदस्थापन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। राज्यभर के 402 पीएम श्री विद्यालयों में 14 संवर्गों के 4 हजार 332 से अधिक संभावित रिक्त पदों को भरने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह पदस्थापन तीन वर्ष की अवधि के लिए होगा। इसे प्रदर्शन के आधार पर दो वर्ष तक बढ़ाया भी जा सकेगा। इस निर्णय को शिक्षा की गुणवत्ता सुधार के लिए अहम माना जा रहा है।

चयन प्रक्रिया को लेकर शिक्षकों के बीच असंतोष भी उभरने लगा है। शिक्षक संगठनों ने साक्षात्कार आधारित चयन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने लिखित परीक्षा के जरिए पारदर्शी भर्ती की मांग की है। इसलिए अहम है पीएम श्री विद्यालयों में यह भर्ती: पीएम श्री स्कूलों को केंद्र व राज्य सरकार की पूर्णगतिश योजना के तहत आधुनिक संसाधनों और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के मांडल के रूप में विकसित किया जा रहा है। ऐसे में योग्य और अनुभवी शिक्षकों की तैयारी से इन स्कूलों की गुणवत्ता व परिणामों में बड़ा सुधार आने की उम्मीद है। विभाग ने

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में पीएम श्री स्कूलों में पदस्थापन की प्रक्रिया शुरू की है

इस बार पात्रता के लिए सख्त मापदंड तय किए हैं।

अभ्यर्थियों के लिए 10वीं से लेकर स्नातकोत्तर व व्यावसायिक योग्यता (बीएड/बीएएसटी) तक हर स्तर पर न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक अनिवार्य किए गए हैं। प्राचार्य पद के लिए 5 वर्ष का अनुभव ज़रूरी होगा।

पिछले 5 वर्षों में 100 प्रतिशत बोर्ड परीक्षा परिणाम की शर्त भी रखी गई है। इसके अलावा अन्य पदों पर भी संबंधित विषय में अनुभव ज़रूरी होगा। लगातार बेहतर परिणाम देना भी ज़रूरी होगा।

शिक्षक संघ रेसटा के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलवाद का कहना है कि विभाग ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान में अंग्रेजी माध्यम, महात्मा गांधी, कस्तूरबा गांधी या बालिका सैनिक स्कूलों में कार्यरत शिक्षक इस प्रक्रिया में भाग नहीं ले सकेंगे। इसके अलावा जिन कार्मिकों के खिलाफ विभागीय जांच लंबित है,

उनके आवेदन निरस्त कर दिए जाएंगे। जो डेटा हो चुके हैं, उनके आवेदन भी निरस्त कर दिए जाएंगे। जबकि होना यह चाहिए कि शिक्षा विभाग को राज्य के पीएम श्री विद्यालयों की चयन प्रक्रिया में कार्यरत सभी कार्मिकों को शामिल करना चाहिए। पुरानी डिग्रियों के अंकों से किसी शिक्षक की वर्तमान क्षमता का सही आकलन नहीं हो सकता। शिक्षक संघ रेसटा की मांग है कि निष्पक्ष चयन के लिए विभागीय लिखित परीक्षा ज़रूरी है। केवल साक्षात्कार से पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं हो सकती।



पंडित अनिल शर्मा

राशिफल

सोमवार 4 मई, 2026

प्रथम ज्येष्ठ मास (शुद्ध), कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, सोमवार, विक्रम संवत् 2083, अनुराधा नक्षत्र प्रातः 9:58 तक, परिध राशु राशि 11:20 तक, वज्रिण करण सायं 4:13 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेघ, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-मौन, बुध-मेघ, गुरु-मिथुन, शुक्र-वृश्च, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह। आज सर्वोर्ध्व सिद्धि योग सूर्योदय से दिन 9:58 तक ही। भद्रा सायं 4:13 से मंगलवार प्रातः 5:25 तक रहेगी। आज मां आनन्दमयी जयन्ती है। श्रेष्ठ चौषड्विद्या: अमृत सूर्योदय से 7:29 तक, शुभ 9:07 से 10:45 तक, चर 2:02 से 3:40 तक, लाभ-अमृत 3:40 से सूर्यास्त तक। राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:50, सूर्यास्त 6:57

मेघ चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। परिवार में आपसी अनबन हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

तुला व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त कार्य करना पड़ सकता है। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

वृष परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मानसिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज व्यावसायिक आर्थिक मामलों सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

वृश्चिक व्यावसायिक अडचन दूर होने लगेगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी। मानसिक तनाव दूर होगा।

मिथुन विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अटक हुए कार्य बने लगे। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। परिवार में वाद-विवाद हो सकते हैं।

कर्क परिजन के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आज आपसी ईर्ष्या-वैममन्यता के कारण परेशानी हो सकती है। आज महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी।

मकर आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

सिंह घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

कुंभ व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। अटक हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बने लगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक संबंध बनेंगे। प्रगति होगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

मीन व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों सुगमता से बने लगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आज अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

सार-समाचार

कलेक्टर ने किया सामूहिक योगाभ्यास

बूंदी। 12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की ओर बढ़ते कदमों के साथ जिले में योगमय वातावरण सृजित करने हेतु 50 दिवसीय काउंटडाउन की शुरुआत रविवार को श्री ईश्वरी सिंह खेल संकुल में आयोजित योग सत्र से हुई। योग एवं निरोगी बूंदी महाअभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में जिला कलेक्टर हरफूल सिंह यादव ने योग साधकों के साथ सहभागिता करते हुए स्वयं योगाभ्यास किया और जन-जन को योग से जुड़ने का संदेश दिया। जिला कलेक्टर यादव ने कहा कि योग भारतीय जीवन पद्धति की अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति को संतुलित, स्वस्थ और सकारात्मक जीवन की ओर अग्रसर करता है। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे अपने दैनिक जीवन में योग को अपनाते हुए अपने परिवार, मित्रों एवं परिचितों को भी इससे जोड़े, ताकि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एक व्यापक जनआंदोलन के रूप में स्थापित हो सके। आयुर्वेद विभाग के पीएमओ व पंचकर्म विशेषज्ञ डॉ. सुनील कुशवाह ने बताया कि यह महाअभियान 19 जुलाई, 2024 से शुरू होकर अनवरत जारी है, इससे अब तक योगाभ्यास के द्वारा हजारों लोग लाभान्वित हो चुके हैं। योग एवं प्राकृतिक चिकित्साधिकारी डॉ. विमला परमार के निर्देशन में योग प्रशिक्षक भूपेन्द्र योगी ने साधकों को सामान्य योगाभ्यास क्रम का व्यवस्थित प्रशिक्षण दिया, जिसमें खड़े होकर, बैठकर, सीधे लेटकर एवं उल्टे लेटकर किए जाने वाले विभिन्न आसनों के साथ कपालभाति, अनुलोम-विलोम प्राणायाम का भी अभ्यास कराया गया। सत्र में अनुशासन, एकाग्रता और ऊर्जा का विशेष वातावरण देखने को मिला। डॉ. परमार ने बताया कि आयुर्वेद विभाग द्वारा योग दिवस तक जिलेभर में निरंतर जनजागरूकता कार्यक्रम, योग शिविर एवं स्वास्थ्यवर्धक गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। अंत में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने संकल्प लिया कि वे इस 50 दिवसीय काउंटडाउन के दौरान आयोजित योग गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाएँ और योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की।

लव खुश वाटिका में 101 परिंडे बांधे, 51 पौधों का रोपण किया

कोटा, (निर्स)। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए डॉ. सुनील जैन ने अपना जन्मदिन ग्रीन आर्मी वेलफेयर सोसायटी के साथ लव खुश वाटिका में 101 परिंडे (पक्षियों के लिए पानी के पात्र) बांधकर तथा 51 पौधों का रोपण कर मनाया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य भीषण गर्मी के दौरान पक्षियों को पानी उपलब्ध कराना और पर्यावरण संरक्षण के लिए हरियाली को बढ़ावा देना है। संस्था के सदस्यों ने बताया कि वे प्रकृति एवं जीव-जंतुओं के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं और समाज को जागरूक बनाने का प्रयास कर रहे हैं। साथ ही संस्था ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपने खास अवसरों—जैसे जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ या अन्य महत्वपूर्ण अवसरों को खास बनाते हुए पौधारोपण करें और परिंडे बांधकर इस नए कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाएँ। ग्रीन आर्मी ने वर्ष 2026 के लिए एक बड़ा लक्ष्य भी निर्धारित किया है। संस्था ने इस वर्ष 1000 परिंडे बांधने एवं 21,000 पौधे लगाने का संकल्प लिया है, जो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। इस अवसर पर ग्रीन आर्मी चेयरपर्सन मंजू जैन एवं राजेंद्र हाड़ा सहित आदि समाजसेवी उपस्थित रहे।

बेटी का कन्यादान कर विवाह में सहयोग

कोटा, (निर्स)। सामाजिक सरोकार निभाने की मिसाल पेश करते हुए जेसीआई कोटा राइट ऐड्स टीम ने एक जरूरतमंद बेटी के विवाह में सहयोग कर उसका कन्यादान किया। इस पुनीत पहल के जरिए टीम ने समाज को सेवा, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं का सशक्त संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान राइट ऐड्स के संस्थापक हनुमंत सिंह, जेसीआई कोटा राइट ऐड्स की अध्यक्ष जेसी ज्योति, सचिव जेसी प्रवीण और कोषाध्यक्ष जेसी महावीर गोचर ने टीम के साथ मिलकर विवाह के लिए आवश्यक सामग्री जुटाई। वहीं परियोजना निदेशक चंचल और महावीर सोलंकी ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए संपूर्ण आवश्यक सामान एकत्रित कराने में सहयोग दिया।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने विकास कार्यों में लापरवाही पर जताई नाराजगी

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने रविवार को कोटा जिले के सांगोद, कनवास और बपावर क्षेत्रों के ग्रामीण अंचलों का व्यापक दौरा किया। कोटा, (निर्स)। राजस्थान सरकार के ऊर्जा विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने रविवार को कोटा जिले के सांगोद, कनवास और बपावर क्षेत्रों के ग्रामीण अंचलों का व्यापक दौरा किया। एकदिवसीय प्रवास के दौरान मंत्री ने विभिन्न विकास परियोजनाओं, सड़क निर्माण और जनसुविधाओं का मौके पर निरीक्षण किया। इस दौरान कार्यों में गुणवत्ता की कमी और लापरवाही पाए जाने पर मंत्री ने अधिकारियों और ठेकेदारों की जमकर फटकार लगाई। इस दौरान सांगोद प्रधान जयवीर सिंह अमृतकुंआ, उप प्रधान ओम नागर अडुसा, क्रय विक्रय सहकारी समिति के अध्यक्ष

ओम मेहता, मंडल अध्यक्ष विजय शंकर सैनी, सत्यवान नागर भी साथ में मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान मंत्री नागर ने खजूरी और उमरहेड़ी तालाब के पुनर्निर्माण कार्यों का जायजा लिया। उमरहेड़ी तालाब की स्थिति देख मंत्री ने गहरा रोष व्यक्त किया। उन्होंने पाया कि तालाब में पिचिंग और ड्रेसिंग का कार्य नियमानुसार नहीं किया गया था और पत्थर बाहर निकल रहे थे। जल संसाधन विभाग के अधिशाषी अभियंता अनिल मीणा से जवाब-तलब करते हुए मंत्री ने पूछा, क्या यह 40 लाख का काम है? अधूरा काम होने के बावजूद भुगतान कैसे किया गया? मंत्री ने खजूरी तालाब के निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए कि तालाब से सीपेज रोकने के पुख्ता इंतजाम किए जाएं और गंदे पानी की निकासी के लिए अलग नाला बनाया जाए ताकि तालाब का पानी दूषित न हो।

दौर के दौरान मंत्री ने सांगोद-बपावर-कवाई सड़क (7-51) के नवीनीकरण, बपावरकला में अटल प्रगति पथ और अरु नदी पर नवनिर्मित पुलिया की प्रगति जांची। शाम के समय उन्होंने चतरपुरा, राजगढ़ और मण्डिता में सड़क चौड़ीकरण कार्यों का भी अवलोकन किया।

जांच कमेटी के गठन और रिकवरी के निर्देश-उमरहेड़ी तालाब के घटिया निर्माण को देखते हुए मंत्री नागर ने तत्काल जांच कमेटी गठित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि संबंधित ठेकेदार के पिछले 10 कार्यों की सूची बनाकर उनकी भी जांच की जाए। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर गुणवत्ताहीन कार्यों में सुधार नहीं हुआ, तो ठेकेदार से रिकवरी की जाएगी। यदि ठेकेदार भुगतान नहीं करता है, तो

संबंधित अधिकारियों के वेतन से इसकी वसूली होगी। शिक्षा और बुनियादी ढांचे की समीक्षा-मंत्री ने गरमोडी, खेडली काकुनिया और बालुहेड़ा के राजकीय विद्यालयों का भी दौरा किया। एसडीआरएफ मद से निर्मित स्कूल की छतों के निर्माण कार्य को संतोषजनक नहीं पाए जाने पर उन्होंने अधिकारियों की क्लास लगाई। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षा के मंदिरों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। जनसुनवाई और रात्रि चौपाल में दिए निस्तरण के निर्देश-अपने दौर के अंतिम चरण में मंत्री हीरालाल नागर ने रात्रि चौपाल का आयोजन किया। इसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। मंत्री ने मौके पर ही मौजूद विभिन्न विभागों के अधिकारियों को जनसमस्याओं के त्वरित निस्तरण के आदेश दिए।

इंजीनियर निशू गुप्ता का सम्मान

कोटा, (निर्स)। सार्वजनिक निर्माण विभाग कार्यालय नयापुरा में इंडियन बिल्डिंग कांग्रेस के कोटा लोकल चैप्टर द्वारा इंजीनियर निशू गुप्ता (अतिरिक्त मुख्य अभियंता) के मुख्य अभियंता पद पर पदोन्नति के उपलक्ष्य में स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में अभियंताओं एवं सदस्यों की उपस्थिति रही। समारोह में चेयरमैन इंजीनियर हेमंत कुमार शर्मा, पूर्व चेयरमैन एवं सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता इंजीनियर पी.के.जैन, उपाध्यक्ष सुनील गर्ग, मानद सचिव इंजीनियर मनीष जैन, कोषाध्यक्ष इंजीनियर अशोक सनाढ्य सहित इंजीनियर बी.एल. नरसल, सुरेश गुप्ता एवं हरीश चंद गर्ग मौजूद रहे।

इस अवसर पर सभी उपस्थित सदस्यों ने इंजीनियर निशू गुप्ता को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि उनकी पदोन्नति से विभाग को नई दिशा मिलेगी।

साथ ही उनके सफल कार्यकाल और उज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम के दौरान आपसी सहयोग, पेशेवर एकता और जनसेवा के प्रति समर्पण की भावना भी देखने को मिली।

रेजोनेंस के 25 वर्ष पूर्ण होने पर 125 विद्यार्थियों को निःशुल्क कोचिंग

कोटा, (निर्स)। अग्रणी कोचिंग संस्था रेजोनेंस ने अपने रजत जयंती महोत्सव को सेवा और संकल्प के साथ यादगार बना दिया है। संस्थान ने देशभर के 125 भाग्यशाली विद्यार्थियों का चयन किया है, जिन्हें कोटा में जेईई और नीट की निःशुल्क कोचिंग प्रदान की जाएगी। इस पूरी चयन प्रक्रिया का रेजोनेंस के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर सीधा प्रसारण किया गया, ताकि देशभर के हजारों विद्यार्थी और अभिभावक इस ऐतिहासिक पल के गवाह बन सकें। उल्लेखनीय है कि रेजोनेंस ने अपने 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक विशेष पहल करते हुए देशभर के 125 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को

निःशुल्क कोचिंग प्रदान करने की घोषणा की थी एवं संस्थान के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक आर.के.वर्मा ने विद्यार्थियों को इस विशेष योजना में भाग लेने हेतु आमंत्रित किया था। यह पंजीकरण प्रक्रिया 11 अप्रैल से 30 अप्रैल तक संचालित की गई, जिसमें देशभर से हजारों विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कल रेजोनेंस के कोटा स्थित कॉर्पोरेट कार्यालय में आयोजित लकी ड्राई के माध्यम से इन 125 विद्यार्थियों का चयन किया गया, इस योजना की सबसे खास बात रही इसकी पूर्ण पारदर्शिता, जिसके अंतर्गत चयन प्रक्रिया को लॉटरी प्रणाली के माध्यम से आयोजित किया गया। विद्यार्थियों को

उत्साह को देखते हुए रेजोनेंस ने एक अतिरिक्त पहल करते हुए "जैकपॉट पुरस्कार" की भी घोषणा की। इसके अंतर्गत जिन विद्यार्थियों का चयन लॉटरी में नहीं हो सका, उन्हें 60 प्रतिशत तक की छात्रवृत्ति का विशेष अवसर प्रदान किया गया। इस अवसर पर संस्थान के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक आर.के.वर्मा ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही रेजोनेंस के सह संस्थापक एवं हेड ऑफ़ डिपार्टमेंट गणित लोकेश खंडेलवाल ने अन्य विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा "लॉटरी में नाम न आना आपकी क्षमता या संभावनाओं को निर्धारित नहीं करता।

सेवानिवृत्त पुलिस संगठन ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को एपीओ किए जाने पर कड़ा विरोध जताया

कोटा, (निर्स)। राजस्थान सेवानिवृत्त पुलिस कल्याण संस्थान, कोटा सम्भाग के अध्यक्ष नवनीत महर्षि ने राज्य सरकार द्वारा पुलिस मुख्यालय, जयपुर में पदस्थ किशन सहाय मीणा महानिरीक्षक पुलिस, मानवाधिकार को राजधानी के थाना मालवीय नगर में दर्ज कथित दुष्कर्म संबंधी

प्रकरण की प्रतिक्रिया स्वरूप पदस्थान की प्रतीक्षा में रखे जाने पर कड़ा विरोध जताते हुए इसे घोर अन्यायपूर्ण एवं असंबंधित कार्यवाही करार दिया है। उन्होंने प्रदेश में पुलिस विभाग के मुखिया राजीव शर्मा, महानिदेशक पुलिस, राजस्थान, जयपुर को पत्र प्रेषित कर उल्लेख किया है।

सार-समाचार

मायभारत में नवनि्युक्त जिला युवा अधिकारी का अभिनंदन

बूंदी। रामेष्ट युवा मंडल संस्थान की ओर से युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत संचालित मेरा युवा भारत केंद्र, बूंदी में नव नियुक्त जिला युवा अधिकारी अशोक कुमार मेघवाल के पदभार ठाहण करने पर स्वागत एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मंडल के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा उन्हें पारंपरिक साफा पहनाकर एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मंडल द्वारा गत वर्षों में किए गए विभिन्न सामाजिक एवं युवा विकास कार्यों-विशेषकर टामीण क्षेत्रों में युवाओं को संगठित करने, जागरूकता अभियान चलाने, स्वच्छता, शिक्षा एवं समाज सेवा से जुड़े प्रयासों-की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। जिला युवा अधिकारी मेघवाल ने मंडल के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देना अत्यंत आवश्यक है, उन्होंने आश्वासन दिया कि वे जिले के अधिकाधिक युवाओं, विशेषकर ग्रामीण अंचल के युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने, उनकी प्रतिभा को निखारने तथा उन्हें विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे। इस अवसर पर केंद्र का लगभग एक वर्ष तक अतिरिक्त प्रभार संभालने वाले उपनिदेशक श्री सचिन पाटोदिया को भावभीनी विदाई दी गई। उनके कार्यकाल में केंद्र के माध्यम से अनेक नवाचारपूर्ण एवं प्रभावी कार्यक्रमों का सफल संचालन किया गया, जिससे युवाओं में जागरूकता, सहभागिता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूती मिली। मंडल द्वारा उन्हें भी साफा पहनाकर एवं माल्यार्पण कर उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए आभार व्यक्त किया गया।इस दौरान शिखर पंचोली, रोहन गुर्जर, विवेक गुर्जर, दीपेश सैनी, सोनू कुमार सैनी, धैर्य सिंह सहित संस्था के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। अंत में सभी ने नए नेतृत्व के मार्गदर्शन में युवाओं के सर्वांगीण विकास एवं समाजहित के कार्यों को और अधिक गति देने का संकल्प लिया।

सिटीजन फीडबैक से आमजन भी दें योगदान

कोटा, (निर्स)। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जिसको देखते हुए नगर निगम ने शहरवासियों से स्वच्छता सेवाओं के संबंध में सक्रिय रूप से फीडबैक देने की अपील की है। निगम का उद्देश्य नागरिक सहभागिता के माध्यम से शहर को अधिक स्वच्छ, सुंदर एवं सुव्यवस्थित बनाना है। आयुक्त ओमप्रकाश मेहरा ने बताया सिटीजन फीडबैक के लिए क्यूआर कोड और ऐप जारी किया गया है, जिसके माध्यम से शहरवासी 13 सरल प्रश्नों के जरिए सफाई व्यवस्था पर अपनी राय दे सकते हैं। एक व्यक्ति एक मोबाइल से एक बार ही फीडबैक दे सकेगा। इसमें कचरा संग्रहण, गीले-सूखे कचरे का पृथक्करण, सफाई की नियमितता और शिकायतों के निस्तरण जैसे बिंदुओं पर सवाल शामिल हैं। उपायुक्त जनस्वास्थ्य भावना सिंह ने नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में फीडबैक देकर इस अभियान को सफल बनाएं, ताकि कोटा स्वच्छता रैंकिंग में बेहतर स्थान प्राप्त कर सके और स्वच्छ, स्वस्थ एवं आदर्श शहर के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर सके। इससे कोटा शहर को पर्यटन नगरी के रूप में विकसित करने के हमारे प्रयासों को भी बल मिलेगा तथा देश के अन्य शहरों के साथ विदेश पर्यटक भी कोटा की ओर आकर्षित होंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत के जन्मदिन पर बूंदी में सेवा कार्य

बूंदी। बूंदी में पूर्व मुख्यमंत्री जननायक अशोक गहलोत जी के जन्मदिवस पर सेवा कार्य आयोजित किए गए। बूंदी विधायक हरिमोहन शर्मा के निर्देशानुसार पीसीसी सदस्य सत्येश शर्मा के नेतृत्व में सभी कांटेस जनों ने खेल संकुल में भीषण गर्मी को देखते हुए गहलोत जी की भावना के अनुरूप पक्षियों के लिए प्यास बुझाने के लिए परिंडे बांधे। विधायक हरिमोहन शर्मा के निर्देशानुसार सुदामा सेवा संस्थान में सभी आवासियों को विशेष भोजन कराया गया और सभी को फलाहार वितरित किए। विधायक हरिमोहन शर्मा ने उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।

शोर को म्यूट करो अपने लॉन्ग-टर्म गोल्स पे डटे रहो



स्कैन टू नो मोर

मार्केट रिलेटेड शोर को आपके लॉन्ग-टर्म गोल्स से
आपका ध्यान विचलित ना करने दें

म्यूचुअल फंड्स के बारे में अधिक जानने के लिए आपके
म्यूचुअल फंड्स डिस्ट्रीब्यूटर या इन्वेस्टमेंट एडवाइजर से आज ही संपर्क करें!

विजिट: mutualfundssahihai.com | फॉलो अस ऑन: [f](#) [x](#) [v](#) [o](#) [i](#) [n](#)

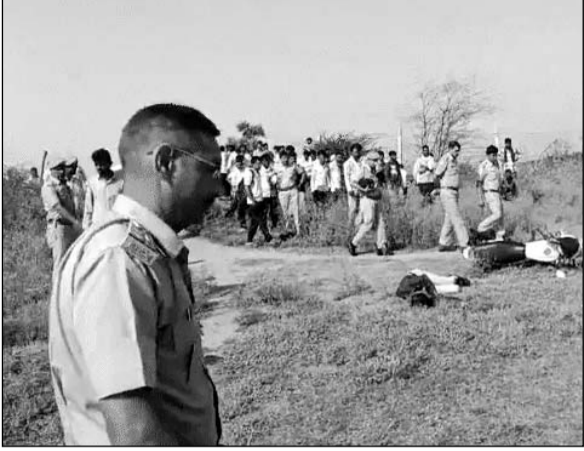
म्यूचुअल फंड निवेश बाज़ार के जोखिमों के अधीन हैं, योजना से जुड़े सभी दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ें.

MUTUAL FUNDS सही है

टोंक में गश्त पर निकले पुलिस कॉन्स्टेबल का खून से सना शव सड़क किनारे मिला

बेटे का शव देख पूर्व पार्षद पिता ने आरोप लगाया कि बजरी माफिया ने मेरे बेटे की हत्या की है

टोंक, (निर्स)। जिले के उनियारा इलाके के बनेठा थाना क्षेत्र में रुपवास मोड़ पर रविवार को गश्त पर निकले पुलिस कॉन्स्टेबल भागचन्द (26) पुत्र कालू सैनी का शव लद्दलुहान हालत में मिलने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। कॉन्स्टेबल के चेहरे, गर्दन और सीने पर चोट के निशान पाये गये तथा शव के पास में ही उनकी बाइक भी पड़ी मिली थी। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने शव को देखकर बनेठा थाना पुलिस को सूचना दी। बताया जा रहा है कि मृतक सिपाही बनेठा थाना की ककोड़ चौकी कार्यरत था।



घटना के बाद पुलिस ने मौके पर जाकर जांच की।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक राजेश मीणा, एएसपी रतनलाल भार्गव और टोंक डीएसपी मयूचंजय मिश्रा घटनास्थल पर पहुंचे तथा बाद में पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर मौके पर बुलाया। बेटे का शव देख पूर्व पार्षद पिता होश खो बैठे तथा उन्होंने आरोप लगाया कि बजरी माफिया ने मेरे बेटे की हत्या की है। बाद

में शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सआदत अस्पताल टोंक ले जाया गया, जहां परिजनों ने इमरजेंसी वार्ड के बाहर 2 घंटे तक शव को रखकर प्रदर्शन किया तथा प्रशासन के सामने अपनी मांग रखी।

इसके बाद अति. पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव ने पुलिस हैड क्वार्टर के पत्र के बाद एक करोड़ रुपए मुआवजा और सरकारी नौकरी पर सहमति बनने की बात बताई। सहमति बनने पर परिजन

■ अति. पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव ने पुलिस हैड क्वार्टर के पत्र के बाद एक करोड़ रुपए मुआवजा और सरकारी नौकरी पर सहमति बनने की बात बताई

■ बताया जा रहा है कि मृतक सिपाही भागचन्द (26) पुत्र कालू सैनी बनेठा थाना की ककोड़ चौकी पर कार्यरत था

शव उठाने पर राजी हुए, पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवाकर शव को परिजनों को सौंप दिया।

बनेठा थाना प्रभारी ने बताया कि कॉन्स्टेबल भागचंद शनिवार देर रात्रि को गश्त पर बाइक लेकर गए थे। जिसकी सूचना पुलिस को रविवार सुबह ग्रामीणों ने दूरभाष पर देकर बताई कि पुलिसकर्मों भागचन्द का शव रोड पर पड़ा है, जहां उनके सीने, चेहरे और गर्दन पर धारदार हथियार से चोट के निशान पाये गये हैं। मामले की गम्भीरता को देखते हुए जिला

पुलिस अधीक्षक राजेश मीणा ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है, जल्द ही खुलासा करेंगे।

घटना की सूचना मिलते ही पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता भी मौके पर पहुंचे। मेहता ने कहा कि पूर्व पार्षद कालू सैनी ने फोन कर कहा कि उनके बेटे भागचंद सैनी का मर्डर हो गया है। मेहता ने कहा कि जिले में पुलिस ही सुरक्षित नहीं है तो आम आदमी का क्या होगा। अधिकारियों से बात हुई तो प्रथमदृष्टया बजरी माफियाओं का कनेक्शन इस मामले से जुड़ रहा है।

चंदवाजी : अवैध हथियारों का जखीरा बरामद, आरोपी गिरफ्तार

मानपुरा माचैड़ी, (निर्स)। चंदवाजी थाना पुलिस ने बड़ी करवाई करते हुए अवैध हथियार परिवहन करते एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 4 स्वचालित पिस्टल मय 5 मैगजीन व 4 देशी कट्टे सहित 16 जिन्दा कारतूस जब्त किए हैं। आरोपी को गिरफ्तार कर उसकी बाइक भी जप्त कर ली है।

जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने बताया कि



चंदवाजी थाना पुलिस ने अवैध हथियारों के साथ आरोपी को पकड़ा।

■ 4 स्वचालित पिस्टल मय 5 मैगजीन व 4 देशी कट्टे सहित 16 जिन्दा कारतूस जब्त

महानिरीक्षक पुलिस जयपुर रेंज, जयपुर द्वारा चलाये जा रहे विशेष अभियान अवैध हथियारों के विरुद्ध कार्यवाही व गंभीर अपराधों की रोकथाम हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देश में वृत्ताधिकारी जमवारामगढ़ रामकिशन विशनोई के सुपरविजन में थानाधिकारी थाना चन्दवाजी नितिन चोघरी आईपीएस (प्रोवैशनर) के नेतृत्व में रोहिताश बराला कॉन्स्टेबल की विश्वसनीय एवं सटीक सूचना पर अवैध हथियार परिवहन करते आरोपी साहिल मीणा निवासी कंचनपुर थाना श्रीमाधोपुर जिला सीकर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 4 स्वचालित पिस्टल मय 5 मैगजीन 4 देशी कट्टे व 16 जिन्दा कारतूस जब्त कर अवैध

व्यक्ति अपने पीछे बैंग लटकाये खड़ा था जो पुलिस जाब्ता को देख मोटरसाईकिल को स्टार्ट करने लगा जिसको पुलिस जाब्ता की मदद से रोका और नाम पता पूछा तो अपना नाम साहिल मीणा पुत्र कुण्ड कुमार मीणा निवासी वार्ड नं.11 कंचनपुर पुलिस थाना श्रीमाधोपुर जिला सीकर हाल मकान नम्बर 33 शंकर विहार कालोनी पवनपुरी बैनाड रोड झोटवाड़ा होना बताया। बैंग को खोलकर चैक किया तो बैंग की विभिन्न परतों में देशी कट्टे व विभिन्न प्रकार की स्वचालित पिस्टल मय मैगजीन व कारतूस व परिवहन में प्रयुक्त बाइक को जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

व्यक्ति अपने पीछे बैंग लटकाये खड़ा था जो पुलिस जाब्ता को देख मोटरसाईकिल को स्टार्ट करने लगा जिसको पुलिस जाब्ता की मदद से रोका और नाम पता पूछा तो अपना नाम साहिल मीणा पुत्र कुण्ड कुमार मीणा निवासी वार्ड नं.11 कंचनपुर पुलिस थाना श्रीमाधोपुर जिला सीकर हाल मकान नम्बर 33 शंकर विहार कालोनी पवनपुरी बैनाड रोड झोटवाड़ा होना बताया। बैंग को खोलकर चैक किया तो बैंग की विभिन्न परतों में देशी कट्टे व विभिन्न प्रकार की स्वचालित पिस्टल मय मैगजीन व कारतूस व परिवहन में प्रयुक्त बाइक को जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

भीण्डर में 47 किलो डोडा-चूरा से भरी कार पकड़ी, एक गिरफ्तार



भीण्डर पुलिस ने कार जब्त कर अवैध अफीम डोडा-चूरा बरामद किया।

भीण्डर, (निर्स)। उदयपुर रेंज में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर लगाम कसने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत भीण्डर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। शनिवार देर रात गश्त के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध कार का पीछा कर 47 किलो 80 ग्राम अवैध अफीम डोडा-चूरा जब्त किया और एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी मुकेशचन्द्र ने बताया कि दो मई की रात पुलिस टीम थाना सर्कल में नियमित गश्त कर रही थी।

इसी दौरान हीता से कोर की चौकी की ओर जा रही एक अल्टो कार पुलिस वाहन को देखते ही अचानक तेज रफतार में भागने लगी। संदेह होने पर पुलिस टीम ने तुरंत पीछा शुरू किया। आरोपी चालक ने बचने के लिए रास्ता बदलते हुए टोल नाके से पहले ही कार को डोडियों का खेड़ा मार्ग की तरफ मोड़ दिया, लेकिन पुलिस पहले से सतर्क थी। टोल पर पहले से लगी नाकाबंदी और टीम की रणनीतिक घेराबंदी के चलते आखिरकार कार को रोक लिया गया। पुलिस ने जब कार की तलाशी ली

तो पिछली सीट पर रखे तीन काले प्लास्टिक के कट्टों में भारी मात्रा में डोडा-चूरा मिला। डोडा-चूरा का तौल करने पर कुल वजन 47 किलो 80 ग्राम निकला। कार चालक की पहचान पवन सालवी (20) पिता मदनलाल सालवी निवासी दुँविया, थाना वल्लभनगर के रूप में हुई। पुलिस ने मौके पर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और कार को जब्त कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच खेरोदा थानाधिकारी सुरेश विशनोई को सौंपी गई है।

महिला से जेवर लूट के दो आरोपियों को पकड़ा

हनुमानगढ़, (निर्स)। पुलिस ने सतीपुरा क्षेत्र में एक महिला से आभूषण लूट की वारदात का 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में 2 आरोपियों अभय कुमार उर्फ डेविड (20) और राहुल कुमार (20) को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी वार्ड 20, प्रेम नगर के निवासी हैं।

यह वारदात शुक्रवार को हुई थी, जब सतीपुरा निवासी एक महिला दूध लेने जा रही थी। उसी दौरान बाइक सवार 2 नकाबपोश बदमाशों ने उनके गले से सोने की चेन और चांदी की अंगूठी छीन ली। आरोपियों ने महिला पर धारदार हथियार से भी वार किया और मौके से फरार हो गए थे। शनिवार 2 मई को पीड़िता ने हनुमानगढ़ जंक्शन थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। मामले

■ सीसीटीवी फुटेज के आधार पर 24 घंटे में दबोचा

की गंभीरता को देखते हुए थाना स्तर पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी सूचनाओं के आधार पर आरोपियों की पहचान की। जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस ने अभय कुमार उर्फ डेविड और राहुल कुमार को गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार, आरोपियों की सीसीटीवी फुटेज पुलिस को शुरुआती जांच में ही मिल गई थी, जिसने उन्हें आरोपियों तक पहुंचने में मदद की।

बार कौंसिल चुनावों के लिये मतदान आज

जोधपुर, (कासं)। बार कौंसिल ऑफ राजस्थान के वर्ष 2026 के चुनावों के अन्तर्गत जयपुर, जोधपुर एवं रायसिंहनगर में चार मई को मतदान होगा। निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से मतदान कराने हेतु कौंसिल प्रशासन द्वारा सख्त दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी आदेशानुसार, पुनर्मतदान दिवस पर 4 मई को प्रातः 8 बजे से सायं 5 बजे तक प्रदेश के किसी भी विधि विश्वविद्यालय अथवा महाविद्यालय के छात्रों को जयपुर उच्च न्यायालय परिसर, जयपुर हिस्विल कोर्ट परिसर, जोधपुर जिला न्यायालय परिसर एवं रायसिंहनगर न्यायालय परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। उल्लंघनीय है कि 22 अप्रैल को हुए मतदान के दौरान अनेक उन्मीदवारों द्वारा शिकायत प्राप्त हुई थी कि विधि के छात्र न्यायालय परिसर में चुनाव प्रचार में संलग्न पाए गए, जिससे निर्वाचन प्रक्रिया बाधित हुई।

महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म, मामला दर्ज

कोटा, (निर्स)। महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म और विरोध करने पर महिला को दर्शन पर शराब की बोतल से वार कर उसे घायल करने का मामला सामने आया है। महिला ने प्रकरण शहर के थाने में दर्ज करवाया है। पुलिस ने महिला की रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए मामले में एक नाबालिग बालक को निरूद्ध किया है। मामले में अन्य आरोपी को तलाश जारी है।

पुलिस उप अधीक्षक द्वितीय डॉ. पूनम चौहान ने बताया कि मामला 28 अप्रैल का है, 30 वर्षीय महिला अपने बायफ्रेंड मुकुल उर्फ धर्मेश से मिलने के लिए कोटा पहुंची थी, किसी काम में व्यस्त होने के कारण मुकुल ने अपने दो दोस्तों को महिला को लेने के लिये भेजा। दोनों दोस्तों में से एक नाबालिग और दूसरा बालिग था। यह दोनों महिला को लेकर एक अन्य व्यक्ति के रूप में गए। पुलिस उप अधीक्षक ने बताया कि रूम पर आरोपियों ने संबंध बनाने की कोशिश की, जिसका महिला ने विरोध किया। इस पर उन्होंने शराब को बोतल

■ मामले में एक नाबालिग बालक निरूद्ध, अन्य आरोपी की तलाश जारी

तोड़कर महिला की गर्दन पर वार कर दिया और महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया।

पुलिस उप अधीक्षक ने बताया कि मामले का खुलासा उस समय हुआ जब महिला को लेकर यह लोग वापस नयापुरा छोड़ने आ रहे थे। इस दौरान इनमें वापस झाड़ा आ और महिला के शोर मचाने एवं हंगामे की सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पहले महिला को उपचार के लिये अस्पताल ले गई और बाद में महिला की रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस उप अधीक्षक ने बताया कि मामले में कार्रवाई करते हुए नाबालिग को निरूद्ध किया है अन्य आरोपी की तलाश जारी है।

लूणकरणसर के भाड़ेरा गांव में सोलर प्लांट में चोरी की वारदात नाकाम

लूणकरणसर, (निर्स)। उपखंड क्षेत्र के भाड़ेरा गांव में एक सोलर प्लांट में चोरी का प्रयास ग्रामीणों की सतर्कता से विफल हो गया। ग्रामीणों ने मौके से चार संदिग्ध युवकों को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि यह घटना बीती रात करीब दो बजे की है। सोलर प्लांट के आसपास कुछ युवक संदिग्ध अवस्था में घूमते हुए देखे गए। प्लांट के पास स्थित ढाणी में रहने वाले संदीप भादू ने उनकी गतिविधियों पर संदेह होने पर तत्काल गांव के अन्य लोगों को सूचित किया। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए

■ ग्रामीणों ने मौके से चार संदिग्ध युवकों को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया

■ आरोपियों के पास से प्लास्टिक के कट्टों में भरी हुई केबल बरामद हुई, कुछ युवक अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार होने में सफल रहे

और उन्होंने प्लांट को चारों ओर से घेर लिया। ग्रामीणों की अचानक हुई इस कार्रवाई से चोर संभल नहीं पाए। ग्रामीणों ने चार युवकों को पकड़ लिया, जबकि उनके कुछ साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार होने में सफल रहे। पकड़े गए आरोपियों के पास से प्लास्टिक के कट्टों में भरी हुई केबल

बरामद हुई है। यह केबल सोलर प्लांट से चोरी की गई बताई जा रही है। पुलिस ने मौके से अन्य संदिग्ध सामान भी जब्त किया है। ग्रामीणों की सूचना पर लूणकरणसर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने चारों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है और उनसे पूछताछ शुरू कर दी है।

उदयपुर में तालाब में डूबने से युवक की मौत

उदयपुर, (कासं)। बड़गांव थाना क्षेत्र स्थित बड़ी तालाब में नहाने के दौरान एक युवक की डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमॉर्टम करवा शव परिजनों को सौंपा। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान प्रकाश गमेती (36) पुत्र किशनलाल गमेती निवासी 57, शबरी कॉलोनी, आयडू थाना भूपालपुरा के रूप में हुई है। घटना 2 मई की सुबह

करीब 10 बजे की बताई जा रही है। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक प्रकाश गमेती बड़ी तालाब में नहाने गए थे। इसी दौरान वह गहरे पानी में चले गए और डूबने से उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकलवाया गया। मृतक के भाई यशवंत गमेती की सूचना पर रिपोर्ट दर्ज की। मामले की जांच सहायक उपनिरीक्षक प्रकाशनाथ कर रहे हैं।

सीकर जिले से दो युवतियां लापता, मामले दर्ज

सीकर, (निर्स)। सीकर जिले में दो युवतियों के लापता होने का मामला सामने आया है। एक युवती कॉलेज जाने के लिए निकली थी जो वापस नहीं लौटी। वहीं महिला अपने बच्चों को छोड़कर चली गई। पुलिस अब दोनों की तलाश कर रही है।

21 साल की युवती के पिता ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि उनकी बेटी कॉलेज में पढ़ती है। 30 अप्रैल को वह सुबह 10 बजे के करीब घर से कॉलेज जाने के लिए निकली थी। कॉलेज टाइम पूरा होने के बाद भी वह

घर पर नहीं लौटी। जब उसके मोबाइल पर कॉल किया गया तो मोबाइल भी स्विच ऑफ था। पता चला कि युवती कॉलेज भी नहीं पहुंची। 29 साल की महिला के पति ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि वह सीकर के ग्रामीण एरिया में रहते हैं। जहां से उनकी पत्नी 29 अप्रैल को शाम को बच्चों को छोड़कर कहीं पर चली गई। काफी देर तक पत्नी के नहीं आने पर परिवार ने आस पड़ोस और रिश्तेदारी में तलाश की लेकिन युवती का कुछ पता नहीं चल पाया।

फलोदी, बीकानेर, चूरू सट्टा बाजार के रुझानों से बंगाल चुनाव चर्चा का विषय बने

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बंगाल में इस बार मामूली वोट प्रतिशत का अंतर भी सत्ता का समीकरण बदल सकता है

पोकरण, (निर्स)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर देशभर में राजनीतिक सरगमियां चरम पर हैं। इसी बीच राजस्थान के फलोदी, बीकानेर और चूरू सट्टा बाजारों के ताजा रुझानों ने चुनावी माहौल को और अधिक गर्म कर दिया है। चुनावी पूर्वानुमानों और राजनीतिक आकलनों के लिए प्रसिद्ध वे बाजार क्रिकेट, चुनाव, बरसात सहित कई विषयों पर अपने अनुमान और दांव के लिए जाने जाते हैं। इस बार बंगाल चुनाव को लेकर भी सट्टा बाजारों में लगातार बदलते संकेत राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बने हुए हैं।

■ फलोदी सट्टा बाजार के अनुसार भाजपा को 148 से 152 सीटें मिलने का अनुमान लगाया जा रहा है

■ जबकि तृणमूल कांग्रेस ममता बनर्जी को 133 से 137 के बीच सीटें मिलने की संभावना जताई जा रही है

फलोदी सट्टा बाजार के अनुसार पश्चिम बंगाल में इस बार मुकाबला बेहद कठोर का माना जा रहा है। ताजा भावों के मुताबिक भाजपा को 148 से 152 सीटें मिलने का अनुमान लगाया जा रहा है, जबकि तृणमूल कांग्रेस ममता बनर्जी को 133 से 137 सीटों के बीच सीटें मिलने की संभावना जताई जा रही है। 294 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत

का आंकड़ा 148 सीटों का है। ऐसे में भाजपा को इल्की बढ़त मिलती दिखाई दे रही है, लेकिन सट्टा बाजार में दोनों दलों के भाव लगभग बराबरी पर बने हुए हैं, जिससे सरकार गठन को लेकर संस्येस बरकरार है। राजस्थान का फलोदी सट्टा बाजार लंबे समय से चुनावी भविष्यवाणियों के लिए देशभर में चर्चित रहा है। लोकसभा से लेकर

विभिन्न राज्यों के विधानसभा चुनावों तक यहां के भावों पर राजनीतिक दलों और विश्लेषकों की विशेष नजर रहती है। माना जाता है कि यहां के सट्टा रुझान जमीनी माहौल और मतदाताओं की बदलती मानसिकता का संकेत देते हैं। बीकानेर और चूरू के सट्टा बाजारों में भी बंगाल चुनाव को लेकर भारी हलचल देखी जा रही है।

बाजार से जुड़े सूत्रों के अनुसार भारी मतदान प्रतिशत, महिला वोट बैंक, ग्रामीण क्षेत्रों की सक्रियता तथा स्थानीय मुद्दों ने मुकाबले को पूरी तरह रोमांचक बना दिया है। कई चरणों के मतदान के बाद बाजार के भाव लगातार बदल रहे

हैं, जिससे सरकार गठन को लेकर संस्येस और गहरा गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बंगाल में इस बार मामूली वोट प्रतिशत का अंतर भी सत्ता का समीकरण बदल सकता है। फलोदी बाजार में दांव तेजी से बदलने का मतलब यही माना जा रहा है कि अंतिम समय तक किसी एक दल की स्पष्ट जीत तय नहीं मानी जा रही। वहीं सट्टा बाजार से अलग राजनीतिक चाणक्य को एक अलग अलग रुझान में भाजपा समर्थक अपनी सरकार बनने के दावे कर रहे हैं, जबकि तृणमूल कांग्रेस समर्थक भी ममता बनर्जी को वापसी को लेकर आश्वस्त नजर आ रहे हैं।

पाटन : ग्रीन एक्सप्रेस-वे को लेकर किसानों में आक्रोश

किसानों ने एक स्वर में कहा कि किसी भी स्थिति में वे अपनी जमीन अधिग्रहण के लिए नहीं देंगे

पाटन, (निर्स)। कोटपुतली-किशनगढ़ प्रस्तावित ग्रीन एक्सप्रेस-वे को लेकर क्षेत्र के किसानों में गहरा आक्रोश देखने को मिल रहा है। 181 किलोमीटर लंबे इस प्रस्तावित मार्ग के पदाधिकारियों ने विभिन्न गांवों में संपर्क कर किसानों की राय जानी, जिसमें सभी किसानों ने एकजुट होकर अपनी जमीन देने से साफ इन्कार कर दिया।

किसान महापंचायत राजस्थान प्रदेश संगठन महामंत्री गोवर्धन सिंह तेतवाल, जिला अध्यक्ष बलदेव यादव नीमकाथाना और तहसील अध्यक्ष कुण्ड कुमार यादव के नेतृत्व में ग्राम पंचायत छाजा की नांगल, फतेहपुरा,

■ 181 किलोमीटर लंबे कोटपुतली-किशनगढ़ प्रस्तावित मार्ग के विरोध में किसान महापंचायत के पदाधिकारियों ने विभिन्न गांवों में संपर्क कर किसानों की राय जानी

रामसिंहपुरा, बोधिया, हरिपुरा, हसामपुर, खुर्दिया सहित कई गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान किसानों ने एक स्वर में कहा कि किसी भी स्थिति में वे अपनी जमीन अधिग्रहण के लिए नहीं देंगे।

किसानों का कहना है कि प्रस्तावित ग्रीन एक्सप्रेस-वे के समानांतर पहले से ही फोरलेन सड़क का निर्माण कार्य प्रगति पर है, ऐसे में नई परियोजना के लिए उनकी कृषि

भूमि का अधिग्रहण पूरी तरह अनुचित है। किसानों ने इसे उनके आजीविका पर सीधा हमला बताया। इसी मुद्दे को लेकर 4 मई को हसामपुर स्थित अटल सेवा केन्द्र में एसडीएम द्वारा पीड़ित किसानों के साथ जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। किसान महापंचायत के पदाधिकारियों ने अधिक से अधिक किसानों से इस जनसुनवाई में पहुंचकर अपनी बात मजबूती से रखने की अपील की है।

तेज अंधड़ से विद्युत तंत्र को नुकसान पहुंचा

विद्युत आपूर्ति सुचारु करने में देर रात तक जुटे रहे जयपुर डिस्कॉम के कार्मिक

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर में शनिवार देर शाम तेज अंधड़ के कारण कई जगहों पर पेड़ टूटकर गिर गए। मुख्य रास्तों पर होर्डिंग, बैनर, साइनेज भी उड़कर बिखर गए। यहां तक कि तेज अंधड़ के कारण बिजली के पोल, ट्रांसफार्मर भी धराशायी हो गए। जिन्हें सुधारने के लिए रविवार देर शाम तक जयपुर डिस्कॉम की टीम जुटी रही। हालांकि मुख्य सड़कों और पार्कों में टूटकर गिरे पेड़ों को हटाने में जेडीए और नगर निगम की टीम सुस्त दिखी।

जयपुर विद्युत वितरण निगम के विभिन्न सर्किलों में कई जगहों पर पेड़, होर्डिंग्स टूट कर विद्युत तारों एवं कंडक्टर पर जा गिरे, जिससे विद्युत आपूर्ति प्रभावित हुई।

- 11 केवी और 33 केवी के 435 फीडरों में से 408 फीडरों में सप्लाय बहाल
- कॉलसेंटर पर दर्ज हुई 2245 शिकायतें, इनमें से 2171 का समाधान किया

तूफान के तुरंत बाद निदेशक (तकनीकी) आरके शर्मा जयपुर डिस्कॉम के राममंदिर स्थित केन्द्रीकृत कॉल सेंटर पहुंचे और वहां उपभोक्ताओं को नो कॉरेट संबंधी समस्याओं के तत्काल निराकरण की मॉनीटरिंग में जुट गए। डिस्कॉमस चेयरमैन आरती डोगरा भी रात करीब 11.30 बजे कॉल सेंटर पहुंच गईं और देर रात करीब 1 बजे तक कॉल सेंटर से ही सभी अभियंताओं एवं फील्ड में विद्युत आपूर्ति को बहाल करने के लिए किए जा रहे प्रयासों का



राजधानी जयपुर में शनिवार देर शाम आए तेज अंधड़ के कारण मुख्य सड़कों, पार्कों और विद्युत लाइनों पर पेड़ टूटकर गिर गए। अंधड़ के कारण प्रभावित हुई विद्युत सप्लाय को सुचारु करने के लिए जयपुर डिस्कॉम की टीम रविवार देर शाम तक जुटी रही।



जायजा लिया। जयपुर के चारों सर्किलों में अधिशासी अभियंता एवं सहायक अभियंता विद्युत आपूर्ति सुचारु करने के प्रयासों में जुटे रहे। तूफान से अधिक प्रभावित जयपुर जिला सर्किल के चौम, जोबनेर, दूदू, हाथोज, हरमाडा, जमवारामगढ क्षेत्र तथा जयपुर शहर के वैशालीनगर, मुरलीपुरा, विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र, जगतपुरा, सीकर रोड स्थित अधिकतर कॉलोनीयों में रात्रि को ही सप्लाय सुचारु कर दी गई थी।

तूफान से जयपुर जिला उत्तर एवं जयपुर जिला दक्षिण सर्किल में 333 वितरण ट्रांसफार्मरों तथा 1552 विद्युत खंभों को नुकसान पहुंचा, जिनमें से 239 ट्रांसफार्मरों तथा

1295 पोल को रविवार दोपहर तक दुरुस्त कर लिया गया था। इसी तरह 11 केवी के 423 फीडरों तथा 33 केवी के 12 फीडरों से विद्युत आपूर्ति में व्यवधान आया, जिनमें से 11 केवी के 396 फीडरों तथा 33 केवी के प्रभावित सभी 12 फीडरों में आपूर्ति बहाल कर दी गई है।

तूफान का जयपुर जोन के जयपुर जिला दक्षिण एवं उत्तर सर्किल सहित दौसा, टोंक एवं कोटपूतली सर्किल में भी असर रहा। जयपुर जोन में कुल 433 वितरण ट्रांसफार्मरों को क्षति पहुंची। रविवार दोपहर तक इनमें से 305 ट्रांसफार्मरों को सुचारु कर दिया गया था जोन में 2351 विद्युत पोल क्षतिग्रस्त हुए। इनमें से 1711 विद्युत पोल दुरुस्त कर दिए गए थे। वहीं

11 केवी के 640 फीडरों में से 583 फीडरों तथा 33 केवी के प्रभावित सभी 35 फीडरों में विद्युत आपूर्ति को यथावत कर दिया गया है। जयपुर, भरतपुर एवं कोटा जोन में इस अंधड़ के कारण 2784 गांव, कस्बों एवं शहरों में विद्युत आपूर्ति पर असर पड़ा, जिनमें से 2506 में आपूर्ति बहाल कर दी गई है। शेष में भी आपूर्ति सुचारु करने के लिए टीम जुटी हुई है। केन्द्रीकृत कॉल सेंटर पर शनिवार को विद्युत आपूर्ति में व्यवधान से संबंधित जयपुर शहर एवं जयपुर जिला सर्किल के उपभोक्ताओं को कुल 2245 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 2171 का समाधान कर दिया गया। कुल 74 शिकायतें अभी लंबित हैं।

जयपुर में कड़ी सुरक्षा के बीच 106 केन्द्रों पर हुई नीट परीक्षा

राजधानी में कुल 36508 ने भाग लिया, 851 परीक्षार्थी अनुपस्थित



जयपुर के परीक्षा केन्द्रों पर नीट परीक्षा देने पहुंचे अभ्यर्थियों को गहन जांच के बाद ही प्रवेश दिया गया।

जयपुर। नीट (यूजी) 2026 परीक्षा के सिटी कोऑर्डिनेटर महिपाल सिंह ने बताया कि रविवार को जयपुर शहर में नीट (यूजी) 2026 की परीक्षा सफलतापूर्वक एवं शांतिपूर्वक सम्पन्न हुई। यह परीक्षा कलेक्टर संदेश नायक के निदेशन व निगरानी में हुई। शहर के कुल 106 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित इस महत्वपूर्ण परीक्षा में कुल 36,508 परीक्षार्थियों ने भाग लिया, जबकि 851 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार कुल 97.72 प्रतिशत परीक्षार्थियों की उपस्थिति दर्ज की गई, जो परीक्षा के सुचारु संचालन को दर्शाता है। परीक्षा के दौरान कानून-व्यवस्था एवं पारदर्शिता बनाए रखने के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक व्यवस्थाएँ की गईं। जिला कलेक्टर संदेश नायक ने स्वयं चयनित परीक्षा केन्द्रों का दौरा

कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट नरेन्द्र कुमार वर्मा, पुलिस नोडल अधिकारी आलोक शर्मा सहित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की सक्रिय भूमिका रही। परीक्षा संचालन के लिए 40 ड्यूटी मजिस्ट्रेट, 6 सिटी कोऑर्डिनेटर तथा बड़ी संख्या में पुलिस एवं प्रशासनिक कार्मिकों की तैनाती की गई थी, जिन्होंने मितरकर परीक्षा को निष्पक्ष एवं व्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराया। विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थी के विरुद्ध नकल (अनुचित साधनों के प्रयोग) का कोई मामला सामने नहीं आया। सभी केन्द्रों पर परीक्षा पूर्णतः शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में सम्पन्न हुई।

राजस्थान में आज भी तेज आंधी और बारिश की संभावना

जयपुर। प्रदेश में एक नए मजबूत पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से 4 मई को बीकानेर, अजमेर, जयपुर और भरतपुर संभाग के कुछ हिस्सों में तेज आंधी और बारिश की संभावना है। इस दौरान कहीं-कहीं 50 से 70 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएँ चल सकती हैं।

मौसम विभाग के अनुसार शनिवार देर रात आए अंधड़ और बारिश के कारण प्रदेश के अधिकांश शहरों के तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे आमजन को गर्मी से राहत मिली है। रविवार को प्रदेश के छह शहरों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया, जबकि 13 शहरों में न्यूनतम तापमान 25 डिग्री के पार रहा। फलौटी सबसे गर्म स्थान रहा, जहां अधिकतम तापमान 44.8 और न्यूनतम 31.2 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि रांची के विभिन्न भागों में मेघगर्जन, आंधी और हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई है। वर्तमान में अधिकतम तापमान 40 से 43 डिग्री के बीच है, जो सामान्य के आसपास है।

एटीएम कार्ड बदलकर धोखाधड़ी करने वाला पकड़ा

जयपुर। सुभाष चौक थाना पुलिस ने एटीएम कार्ड बदलकर धोखाधड़ी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह के शांतिर बद्रामाश को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी इस्ताक खान पर पांच हजार रुपये का इनाम घोषित था। आरोपी ने पूछताछ में जयपुर सहित राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली में 100 से अधिक चारदातें करना कबूल किया है।

पुलिस उपायुक्त (उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि जयपुर शहर में चलाये जा रहे एटीएम डोमिनैशन अभियान के तहत वांछित अपराधियों की धरपकड़ के निर्देश दिए गए थे। इसके लिए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त नीरज पाठक और सहायक पुलिस उपायुक्त (माणक चौक) पीयूष कविया के सुपरविजन में थानाधिकारी कृष्ण कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। इस टीम ने तकनीकी सहायता और मुखबिार की सूचना पर दबिश देकर आरोपी इस्ताक खान (30) निवासी सोडना (हरियाणा) को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया।

थानाधिकारी कृष्ण कुमार के अनुसार आरोपी के खिलाफ सुभाष चौक थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज था। आरोपी फिलहाल पुलिस रिमांड पर है, जिससे गिरोह के अन्य सदस्यों और अन्य चारदातों के संबंध में गहन पूछताछ की जा रही है। जांच में सामने आया है कि यह गिरोह एटीएम बूथ पर मदद के बहाने लोगों के कार्ड बदल लेता था और फिर उनके खातों से पैसे पार कर देता था। आरोपित इस्ताक खान एक शांतिर अपराधी है, जिसके खिलाफ दिल्ली और हरियाणा में कई मामले दर्ज हैं। इस कारवाही के दौरान कानून-उपनिरीक्षक ग्यारसी लाल, हेड कॉन्स्टेबल दुलूचन्द (तकनीकी सहायक), कॉन्स्टेबल अनिल कुमार और श्रीराम शामिल थे।

विधानसभा परिसर में लहलाएंगे औषधीय और नक्षत्रों से संबंधित पौधे

जयपुर (कांस)। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. वासुदेव देवनांनी की एक और पहल से विधान सभा परिसर में नक्षत्र वाटिका और हर्बल वाटिका का अभिवाव सृजन किया जा रहा है। यह वाटिकाएं भारतीय आध्यात्मिक परंपरा, प्राचीन ज्योतिषीय ज्ञान, आयुर्वेद चिकित्सा और पर्यावरण संरक्षण के समन्वय का सजीव उदाहरण बनेगी। इन वाटिकाओं का उद्घाटन डॉ. देवनांनी 5 राज्यों के स्पीकरों के साथ 5 मई को प्रातः 10 बजे करेंगे। राजस्थान विधान सभा में इस नवाचार के मध्य प्रदेश, उत्तरप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम विधान सभा के अध्यक्ष सर्व नरेन्द्र सिंह तोमर, सतीश महाना, कुलदीप सिंह पठानिया, सूरमा पाठी और मिगामा नाबू साक्षी बनेंगे। इस मौके पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी मौजूद रहेंगे।

डॉ. देवनांनी ने बताया कि नक्षत्र वाटिका की अवधारणा भारतीय ज्योतिष के 27 नक्षत्रों पर आधारित है। ज्योतिष में प्रत्येक नक्षत्र का संबंध एक विशिष्ट वृक्ष से माना गया है। इसके लिए विधान सभा के दक्षिण भाग में दोनों पाकिंग के मध्य पांच हदवार वर्ग मीटर अर्ध चन्द्राकार उद्यान विकसित किया गया है। इस वाटिका में 27 नक्षत्रों अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वाफाल्गुनी, उत्तराफाल्गुनी, हस्त, चिन्ता, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढा, उत्तराषाढा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती से संबंधित प्रमुख वृक्षों क्रमशः कुचला, आंवला, गुलर, जामून, खैर, शीशम, बांस, पीपल,

- 5 मई को 5 राज्यों के स्पीकरों के साथ देवनांनी करेंगे दोनों वाटिकाओं का उद्घाटन

नागकेसर, बरगद/बट, पलाश, पाकड़, रोटा/चमेली, बेत, अर्जुन, कटारी, मौश्री, चौड़/संभल, साल, जलवेतर/अशोक, कटहल, शमी/आक, मदार/शमी, कदंब, आम, नीम, महुआ का रोपण किया जा रहा है। इन पौधों का नौ प्रहल, बारह राशियों और त्रिदिव ब्रह्मा, विष्णु एवं शिव से भी संबंध है।

डॉ. देवनांनी ने बताया कि विधान सभा परिसर में आठ सौ पचास वर्ग मीटर में हर्बल वाटिका भी विशेष रूप से विकसित की गई है। इसके लिए विधान सभा के उत्तर पश्चिम क्षेत्र में 8.13 फीट की सुव्यवस्थित 38 क्यारियों 38 क्यारियों में 38 प्रजातियों के पौधे लगाये जा रहे हैं। प्रत्येक क्यारी में एक प्रजाति के 20 से 25 पौधों का रोपण किया जा रहा है। औषधीय पौधों में रोजमेरी, लीम, सुम्रु बेल, अजवाइन, बैजंती, पेपर-मिन्ट, पचोली, इसुलिन, मेहंदी, पत्थर चट्टा, ओडोमास, केशवर्धनी, अश्वगंधा, सिट्रोनेला, कालमेघ, अग्रिमन्थ, हटजोस्ट, ऐलेोविया (नवारपाटा), लेमनग्रास, वेटिवर ग्रास (खस), वेखड़ (स्वीट प्लेन), तुलसी, इलायची, पिपली, कपूर, गुज, दन्ती, मरवा, अशुभक काष्ठ, स्ट्रीविया, अजावूक्ष, सतारक, रतनजोत, निरगुडी, रेड अडुसा (लाल वासा), सर्पगंधा, पान या नागरबेल और ब्रह्मी शामिल हैं, जो आयुर्वेदिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

तूफान की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत

बिजली का तार टूट कर बाइक पर गिरने से लगी थी आग

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर में शनिवार देर शाम अचानक से मौसम परिवर्तित हो आते तेज आंधी -तूफान में जयसिंहपुरा खोर थाना इलाके में बिजली का तार टूटकर बाइक सवार युवक पर गिर गया और बाइक में आग लग गई। आग में बाइक सवार युवक जिंदा जल गया।

स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से शव को स्वर्गीय मानसिंह अस्पताल के मुर्दाघर भिजवाया। रविवार सुबह गुस्साए परिजनों मुर्दाघर के बाहर विरोध प्रदर्शन करते हुए जिम्मेदारों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग की। वहीं पुलिस ने मृतक के परिजनों की शिकायत पर मार्ग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला दर्ज होने के बाद परिजन पोस्टमार्टम के लिए राजी हुए। पुलिस ने पोस्टमार्टम

- परिजनों ने एसएमएस मुर्दाघर के बाहर विरोध प्रदर्शन किया

करवा शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। थानाधिकारी मुकेश मोना ने बताया ने बताया कि खोह -नागोरियाण निवासी युनुस शनिवार रात करीब साढ़े 8 बजे जयसिंहपुरा खोर में अपने परिचित से मिलने जा रहा था। इसी दौरान आई आंधी-तूफान के कारण हाईटेशन लाइन का तार टूटकर रोड पर गिर गया। इसकी चपेट में आने से बाइक सहित युनुस जमीन पर गिर गया। देखते ही देखते बाइक में आग लगने के साथ युनुस भी करंट के चपेट में आते हुए जलने लगा। पुलिस ने जैसे-तैसे बिजली लाइन बंद

करवाकर युनुस को हॉस्पिटल पहुंचाया। डॉक्टरों ने इलाज के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद रविवार को मृतक के परिजन स्वर्गीय मानसिंह अस्पताल के मुर्दाघर पहुंचे और मुर्दाघर के साथ उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया। हादसे के वक्त स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग को फोन कर मामले की सूचना दी। लेकिन बिजली विभाग ने लाइट बंद नहीं की। अगर समय रहते लाइट बंद हो जाती तो युनुस की जान बच जाती। इसी के साथ मृतक के परिजनों ने आर्थिक सहायता की मांग की। पुलिस ने बिजली विभाग के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज कर पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

फिल्मी अंदाज़ में पलटी लग्जरी कार, चालक गंभीर घायल

रविवार दोपहर अजमेर-दिल्ली हाईवे पर हुआ हादसा

जयपुर। दौलतपुरा क्षेत्र में रविवार दोपहर अजमेर-दिल्ली हाईवे पर एक भीषण सड़क हादसा हो गया। लकी होटल के पास तेज रफ्तार से जा रही एक लग्जरी कार अचानक अनियंत्रित होकर फिल्मी अंदाज़ में कई बार पलट गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार के परखच्चे उड़ गए और मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार की गति काफी तेज थी। अचानक संतुलन बिगड़ने के बाद चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाया और कार उछलते हुए कई बार पलटती चली गई। हादसे के बाद हाईवे पर कुछ समय के लिए दहशत और जाम की स्थिति बन गई। इस दुर्घटना में झोटवाडा निवासी 55 वर्षीय राजकुमार शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि वे दिल्ली से निजी कार्य निपटाने के लिए राजी हुए। लकी होटल के पास पहुंचते ही उनकी

कार अनियंत्रित हो गई और हादसा हो गया। सूचना मिलने पर दौलतपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायल को कार से बाहर निकाला और हाईवे एंबुलेंस से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के अनुसार घायल की हालत में सुधार नहीं उपचार जारी है। हादसे के कारण कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा, जिसे पुलिस ने तत्परता से सामान्य करवा दिया। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है, हालांकि अन्य कारणों की भी जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस हाईवे पर तेज रफ्तार के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद वाहन चालक सावधानी नहीं बरत रहे। यह घटना एक बार फिर सड़क सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने की जरूरत को उजागर करती है।

मादा बाघ चमेली ने शावक को दिया जन्म

जयपुर। राजधानी के नाहरगढ़ जैविक उद्यान (बायोलाॅजिकल पार्क) से वन्यजीव प्रेमियों के लिए खुशखबरी आई है। यहाँ महाराष्ट्र से लाई गई मादा बाघ चमेली ने रविवार को एक शावक को जन्म दिया है। नए मेहमान के आगमन के साथ ही उद्यान प्रशासन ने सुरक्षा और मॉनिटरिंग के कड़े इंतजाम किए हैं।

उपवन संरक्षक (वन्यजीव) चिडियाघर ओम प्रकाश शर्मा ने बताया कि नर बाघ गुलाब और मादा बाघ चमेली को 6 अगस्त 2024 को गोरेवाडा महाराष्ट्र से नाहरगढ़ जैविक उद्यान लाया गया था। इसके बाद जनवरी माह के प्रथम पखवाड़े में दोनों के बीच मैटिंग हुई थी। रविवार को चमेली ने अपने पहले शावक को जन्म दिया। जिससे पार्क में बाघों का कुनबा बढ़ गया है। शर्मा ने बताया कि शावक और मादा बाघ दोनों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। नाहरगढ़ जैविक उद्यान में पदस्थापित वरिष्ठ पशु चिकित्सक डॉ. अरविंद कुमार माथुर द्वारा उनकी सतत निगरानी की जा रही है। वहीं क्षेत्रीय वन अधिकारी शुभम शर्मा ने सुरक्षा और देखभाल के लिए विशेष टीम तैनात की है। मादा बाघ चमेली और उसके शावक को 24 घंटे मॉनिटरिंग के लिए टीम कार्मिकों की ड्यूटी राउंड द क्लॉक (दिन-रात) लगाई गई है। ताकि किसी भी स्थिति में तत्काल सहायता सुनिश्चित की जा सके।

सार-समाचार

ट्रेलर और ट्रक में जोरदार भिड़ंत

जयपुर। करणी विहार थाना इलाके में स्थित एक्सप्रेस हाईवे पर गलत तरीके से ओवरटेक करते समय तेज रफ्तार ट्रेलर और ट्रक में जोरदार भिड़ंत हो गई और दोनों वाहन अनियंत्रित होकर पुलिया की रैलिंग तोड़ते उसे से टकरा कर नीचे गिरने से बच गए। इस हादसे में ट्रक में लंदे कैमिकल के ड्रम सड़क पर गिर गए और उनमें रखा कैमिकल सड़क पर बिखर गया। जिसके बाद एक्सप्रेस हाईवे पर लंबा जाम लग गया। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की मदद से दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को रोड से साईड में करवा कर यातायात सुचारु किया। पुलिस ने बताया कि रविवार शाम करीब साढ़े 5 बजे थाना इलाके में स्थित जयपुर एक्सप्रेस-वे हाईवे पर गलत तरीके से ओवरटेक करते वक्त तेज रफ्तार ट्रक और ट्रेलर में जोरदार भिड़ंत हो गई। जिसके बाद दोनों वाहन अनियंत्रित होकर पुलिया की रैलिंग में जा चुके और पुलिया से नीचे गिरने से बच गए। गनीमत रही दोनों वाहन पुलिया से नीचे नहीं गिरे। नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। हादसे के बाद ट्रक में लंदे कैमिकल के ड्रम सड़क पर बिखर गए और कैमिकल रोड पर आ गया। पुलिस ने दमकल विभाग की एक गाड़ी की मदद से सड़क पर बिखरे कैमिकल से साफ कराया। इस हादसे में ड्राइवर और कंडेक्टर बाल-बाल बच गए।

गैस सिलेंडर में आग, पुलिसकर्मी ने बुझाई

जयपुर। गलता गेट थाना इलाके में स्थित बासबदनपुरा के शिवा कॉलोनी में शनिवार देर रात अचानक से गैस सिलेंडर में आग लग गई। जिसके बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई। शोर-शराब की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। जिसके बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंचे पुलिस में एक पुलिसकर्मी ने अपनी सूझबुझ दिखाते हुए आग की लपटों से घिरे सिलेंडर को मकान से बाहर निकाला और आग पर काबू पाया। जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। थानाधिकारी धर्म सिंह ने बताया कि थाना इलाके में स्थित शिवा कॉलोनी में शनिवार देर रात करीब 10 बजे एक मकान में गैस सिलेंडर में आग लग गई। सिलेंडर की आग ने मकान में रखे गेहे और अन्य सामानों को अपनी चपेट में ले लिया। जिसके बाद मकान में रहने वाले लोगों में दहशत फैल गई और चीख-पुकार का माहौल बन गया। आवाज सुन के आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस के जवान ने गीले कपड़े की मदद से आग की लपटों में घिरे सिलेंडर को मकान से बाहर निकाला और आग पर काबू पाया। वहीं पुलिस की सूचना पर मौके पर पहुंचे दमकल विभाग की गाड़ी ने आग पर काबू पाया। समय रहते गैस सिलेंडर मकान से बाहर निकाल लेने से बड़ा हादसा होने से टल गया।

डॉ. सत्यनाराण सिंह की पुस्तक का विमोचन

जयपुर। पूर्व आईएएस स्व. डॉ. सत्यनाराण सिंह द्वारा लिखे हुए 800 लेखों में से 37 चयनित लेखों के संकलन के तौर पर बनी पुस्तक "आधुनिक भारत के निर्माता नेहरू, इंदिरा और राजीव" पुस्तक का विमोचन पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने निवास पर किया। उन्होंने स्व. सत्यनाराण सिंह के व्यक्तित्व प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट्र सेवा के प्रति सदैव समर्पित रहे। उनके प्रशासनिक सेवा काल में गरीब एवं असाहय लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी हीलो हज्जत के मिलता था। इस अवसर पर प्रकाशन समिति के सदस्य और डॉ. सत्यनाराण सिंह के पुत्र डॉ. रिपुन्धय सिंह, उनकी पुत्र वधु डॉ. पुनीता सिंह, साहित्यकार फारूख आफरीदी, सनी सेविस्टीयन, अनिल सिंह, सत्येन चतुर्वेदी, पूर्व मंत्री गोविन्द मेघवाल, राधेश्याम उपाध्याय, विजेन्द्र मिश्रा तथा सह सम्पादक हेमन्त शर्मा आदि उपस्थित थे।

सुधांशु महाराज के जन्मदिन पर उल्लास

जयपुर। विश्व जागृति मिशन (विजामि) के संस्थापक और देश के जने-माने आध्यात्मिक संत धर्मार्थी श्री सुधांशु जी महाराज का 71वां जन्मदिन गुलाबी नगरी में जयपुर मंडल के श्रद्धालुओं द्वारा उल्लास पूर्व के रूप में मनाया गया। आदर्श नगर में बस दुकान स्थित सोश्लर महादेव मंदिर में आयोजित उल्लास पूर्व के सिलसिले में विशेष हवन और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। विश्व मिशन लाल शास्त्री और आचार्य विष्णु कुमार शर्मा के सानिध्य में आयोजित विशेष यज्ञ में जयपुर मंडल के प्रथम मदनलाल अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारियों दिनेश गुप्ता, द्वारका प्रसाद मुत्तेड़ा, मदनलाल शर्मा, भगम भागव, दिलीप हिरानी, रमेश शर्मा, श्रद्धालुओं ने अष्ट चिरंजीवी मंत्र, महामृत्युंजय मंत्र एवं गुरु मंत्र, दुर्गा सप्तशती के श्लोक और रामचरितमानस की विशेष चौपाइयों से आहुतियां देकर गुरुदेव के दीर्घायु होने की कामना की। जयपुर मंडल को और तेरे गुरुदेव के जन्मदिन दिवस पर सोमेश्वर महादेव मंदिर के बाहर भी शरवत की छबील लगाई गई और राहगीरों को शीतल पेय और प्रसाद का वितरण भी किया गया।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का उनके निवास पर ओड समाज के लोगों ने स्वागत किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने ओड समाज को दी बड़ी सौगात

जयपुर में छात्रावास और रामदेवरा में धर्मशाला के लिए भूमि आवंटन की घोषणा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित ओड समाज संवाद कार्यक्रम में ओड समाज को बड़ी सौगात देते हुए जयपुर में छात्रावास तथा रामदेवरा में धर्मशाला निर्माण के लिए भूमि आवंटित करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओड समाज का इतिहास श्रम, संस्कृति और स्वाभिमान का प्रतीक रहा है तथा राष्ट्र निर्माण में इस समाज का उल्लेखनीय योगदान रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ओड समाज ने राजस्थान की जल संरक्षण परंपरा को समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। किलों, महलों और जल संरचनाओं के निर्माण में समाज की दक्षता ऐतिहासिक रही है। उन्होंने कहा कि समाज के पूर्वजों ने जल संसाधनों के संरक्षण और उपयोग की अद्भुत परंपरा विकसित की, जो आज भी प्रेरणास्रोत है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने पाक विस्थापित ओड समाज के लोगों की हरसंभव सहायता का आश्वासन देते हुए कहा कि राज्य सरकार उनके सामाजिक और शैक्षिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश सरकार द्वारा पेयजल और सिंचाई परियोजनाओं पर किए जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि किसानों

को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जा रही है तथा ग्रामीण और श्रमिक वर्ग के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओड समाज के लिए प्रतिबद्धता, अनुभव, श्रम योगी हुए कहा कि महिलाओं, किसानों, श्रमिकों और वंचित वर्गों के सशक्तिकरण के लिए केंद्र और

राज्य सरकार मिलकर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रमिकों का सम्मान, सुरक्षा और सामाजिक संरक्षण सरकार की श्रम नीति का आधार है। मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पंशन योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, श्रम योगी मानधन योजना, ई-श्रम पोर्टल और श्रम-सेतु मोबाइल ऐप जैसी योजनाओं के माध्यम से

असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जा रही है।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने न्यूनतम मजदूरी में वृद्धि, श्रमिक कल्याण योजनाओं के तहत करोड़ों रुपये के भुगतान, घुमंतू एवं अडधुमंतू समुदायों के लिए पट्टों के वितरण तथा शिक्षा सुविधाओं के विस्तार जैसे कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि प्रत्येक जिले में घुमंतू एवं श्रमिक वर्ग के बच्चों की शिक्षा के लिए 'स्कूल ऑन व्हील्स' स्थापित किए जाएंगे। साथ ही पिछड़ा वर्ग विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, श्रमिक परिवारों को सामाजिक सहायता और बेटियों की शिक्षा व विवाह के लिए विशेष योजनाओं को भी सुदृढ़ किया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने ओड समाज के युवाओं से आधुनिक कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनने, महिलाओं और बेटियों की शिक्षा को प्राथमिकता देने तथा समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आ आन किया। इस अवसर पर ओड महासभा के अध्यक्ष प्रेम ओड सहित बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम सामाजिक उत्थान, श्रमिक सम्मान और सामुदायिक विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का उदाहरण बना।

कोटा में अवैध संबंध के चलते प्रेमी के साथ मिलकर की थी पति की हत्या

मृतक की पत्नी, प्रेमी व उसके साथी को पुलिस ने गिरफ्तार किया

कोटा, (निर्स)। आरकेपुरम् थाना इलाके में एक व्यक्ति की संदिग्ध मौत के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस टीम ने मृतक की पत्नी उसके प्रेमी व एक अन्य साथी को गिरफ्तार किया है। मामले में सामने आया कि अवैध संबंध व पारिवारिक विवाद के चलते आरोपी महिला ने अपने प्रेमी व उसके एक साथी के साथ मिलकर पति की गला दबाकर हत्या कर दी थी।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 1 मई को आरकेपुरम् थाना इलाके के आंवली रोजड़ी क्षेत्र में एक रिटायर्ड फौजी की घर में संदिग्ध अवस्था में मृत मिलने की सूचना मिली। सूचना पर

- मामले में सामने आया कि आरोपियों ने मिलकर पति की गला दबाकर हत्या की और वारदात के बाद आरोपियों ने मृतक को पलंग पर लिटाकर सामान्य स्थिति दर्शाने का प्रयास किया**

आलाधिकारी मौके पर पहुंचे और मौके पर टीमों को बुलाकर साक्ष्य जुटाये गये। शहर एसपी ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए मामले का खुलासा करने के लिये शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी के निर्देशन में पुलिस उप अधीक्षक मनीष शर्मा के सुपरविजन में आरकेपुरम् थानधिकारी सिद्धार्थ श्रीवास्तव के नेतृत्व में टीम का गठन

किया गया, गठित टीम ने घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण कर भौतिक एवं तकनीकी साक्ष्य एकत्र किये। शहर एसपी ने बताया कि टीम द्वारा किये गये अनुसंधान में सामने आया कि मृतक व उसकी पत्नी के बीच आये दिन विवाद होते रहते थे एवं उसकी पत्नी के कुछ संदिग्ध व्यक्तियों से संपर्क थे। मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी को पकड़ने में जिला

पुलिस की विशेष टीम में तैनात कांस्टेबल तंवर सिंह की विशेष भूमिका रही। मामले में टीम ने तकनीकी अनुसंधान व मुखबीर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए मृतक की पत्नी दिपिका शर्मा, मुख्य आरोपी देवेश शर्मा एवं उसके साथी विष्णु सिंह राठौड़ को गिरफ्तार किया गया है। मामले में मुख्य आरोपी देवेश शर्मा को विशेष टीम ने हिडौन सिटी से डिटेन कर प्रकरण में गिरफ्तार किया।

शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपियों से पूछताछ के दौरान मामले में सामने आया कि आरोपी महिला का उसके मृतक पति के बीच पारिवारिक विवाद बना रहता था,

जिसके चलते आरोपी महिला की नजदीकी देवेश शर्मा से हो गई। मामले में सामने आया कि आरोपियों ने मिलकर मृतक की गला दबाकर हत्या की और वारदात के बाद आरोपियों ने मृतक को पलंग पर लिटाकर सामान्य स्थिति दर्शाने का प्रयास किया और स्वयं मौके से फरार हो गये। शहर एसपी ने बताया कि मामले में आंवली रोजड़ी निवासी दिपिका शर्मा (36), खेड़ली फाटक के सुभाष कॉलोनी निवासी देवेश शर्मा (31) एवं उसके साथी खेड़ली फाटक निवासी विष्णु सिंह राठौड़ (55) को गिरफ्तार किया, पकड़े गये आरोपियो से अनुसंधान जारी है।

कोटा में मादक पदार्थ सहित नाबालिग निरुद्ध

कोटा, (निर्स)। जवाहर नगर पुलिस टीम ने इलाके में गश्त के दौरान कार्यवाही करते हुए अवैध मादक पदार्थ 229 ग्राम गांजा सहित नाबालिग बालक को विधिसंघर्षरत निरुद्ध किया है।

जवाहर नगर थानाधिकारी रामलक्ष्मण गुर्जर ने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देश पर अवैध मादक पदार्थ की तस्करी पर रोकथाम के लिये विशेष अभियान ऑपरेशन गरूड व्यूह चलाया जा रहा है। थानाधिकारी ने बताया कि इलाके में गश्त के दौरान पत्थर का स्टॉक घोड़ा बस्ती में एक नाबालिग बालक पर संदेह होने पर उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास से अवैध मादक पदार्थ 229 ग्राम गांजा बरामद हुआ। अवैध मादक पदार्थ बरामद होने पर पनडीपीएस एड्ट एवं 78 जे.जे. एक्ट में मामला दर्ज कर नाबालिग बालक को विधि संघर्षरत निरुद्ध किया, मामले में अनुसंधान किया जा रहा है।

जोधपुर में युवक के साथ हुई मारपीट के बाद लोगों का विरोध जारी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में एक युवक मनीष के साथ हुई मारपीट के बाद से ही लोगों में आक्रोश है। आक्रोशित लोगों ने थाने में पहुंचकर धरना प्रदर्शन किया। उन्होंने मारपीट के मामले में अन्य आरोपियों को गिरफ्तार करने, पुलिस से निष्पक्ष जांच और कार्रवाई करने की मांग की। स्थानीय मंगलेश ने थाने में पहुंचकर प्रदर्शन कर रहे लोगों से समझाइश की। उन्होंने आक्रोशित लोगों को आश्वासन देते हुए लोगों को शांत करवाया, तब जाकर प्रदर्शनकारियों ने धरना खत्म किया। इस दौरान पास के थानों का जाब्ता भी मौके पर बुलाया गया। जानकारी के अनुसार जोधपुर शहर के आखिलिया चौराहे पर

- लोगों ने थाने में पहुंचकर प्रदर्शन किया और आरोपियों को गिरफ्तार करने, पुलिस से निष्पक्ष जांच और कार्रवाई करने की मांग की**

- जोधपुर के खांडा फलसा थाने के अंदर लोगों ने प्रदर्शन कर हनुमान चालीसा का पाठ किया**

थाने के पास बुधवार देर रात को युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया था। जोधपुर निवासी प्रोटीन हाउस के मालिक मनीष जोशी पुत्र ओमप्रकाश जोशी 29 अप्रैल की रात बाइक से जा रहे थे। इसी बीच आखिलिया चौराहे पर एक कार से बाइक की टक्कर हो गई। इस पर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई थी। टक्कर मारने के बाद कार सवार सिवांची गेट की तरफ निकल गया था। बाइक सवार युवक मनीष उसका पीछाकर सिवांची गेट पहुंचा था। सिवांची गेट स्थित खांडा फलसा थाने के बाहर हनुमान मंदिर के पास दोनों पक्षों में फिर से झगड़ा हो गया था, जहां

बाइक सवार मनीष को खांडा फलसा थाने के ठीक बाहर लाठी-डंडों से पीटा गया। इस घटना के बाद लोगों ने पुलिस के सामने विरोध जताया था। मामले में लापरवाही बरतने पर खांडा फलसा थानाधिकारी बलवंत राम को लाइन हाजिर किया गया। लोगों ने आरोप लगाया कि तब अधिकारी शराब के नशे में थे। प्रदर्शन में शामिल हुए लोगों ने पुलिस से इस मामले में निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है। साथ ही गवाहों पर किसी भी प्रकार का दबाव नहीं बनाने, घटना में शामिल दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है।

शराब से भरी कार पकड़ी, चालक गिरफ्तार

डुंगरपुर, (निर्स)। जिले में शराब तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन स्वच्छता के तहत चौरासी थाना पुलिस ने शराब से भरी एक कार पकड़ी है। पुलिस ने इस मामले में एक तस्करर को भी गिरफ्तार किया है।

चौरासी थानाधिकारी भंवर सिंह राठौड़ ने बताया कि स्टेट हाईवे-54 पर टेम्बा गांव के पास पुलिस टीम ने गुजरात की ओर जा रही एक कार को देखा। पुलिस को देखकर ड्राइवर कार को खेतों में छोड़कर भागने की कोशिश करने लगा। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने टेम्बा गांव के खेतों में घेराबंदी कर कार को पकड़ा। कार की तलाशी लेने पर उसकी डिकी से 5 कार्टन और 6 बोतल अवैध शराब बरामद हुई। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया। साथ ही ड्राइवर गुजरात निवासी सुलए मछार को आबकारी अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

जोधपुर में नीट परीक्षा के दौरान सख्ती से रूबरू हुए परीक्षार्थी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में नीट परीक्षा-2026 के दौरान इस बार सुरक्षा और नियमों को लेकर सख्ती देखने को मिली। परीक्षा केंद्रों पर एंट्री से पहले अभ्यर्थियों से दुपट्टा, कलावा तक उतरवाया गया, वहीं पेन और पानी की बोतल भी बाहर रखवाई गई। कड़ी जांच प्रक्रिया के चलते छात्रों को असुविधा का सामना करना पड़ा, जबकि बाहर अभिभावक तीन घंटे तक पेड़ों की छाया में इंतजार करते नजर आए।

जोधपुर में नीट एग्जाम के लिए 46 परीक्षा केंद्रों पर करीब 15 हजार अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक एक पारी में आयोजित की गई। इसके लिए परीक्षा केंद्रों पर एंट्री सुबह 11 बजे से ही शुरू कर दी गई थी। कैंडिडेट्स को दोपहर 1.30 बजे तक एंट्री दी गई, इसके बाद एग्जाम सेंटर के गेट

- परीक्षा केंद्रों पर एंट्री से पहले अभ्यर्थियों से दुपट्टा, कलावा तक उतरवाया**
- कड़ी जांच प्रक्रिया के चलते छात्रों को असुविधा का सामना करना पड़ा**
- अभिभावक तीन घंटे तक पेड़ों की छाया में इंतजार करते नजर आए**

बंद कर दिए गए।

शास्त्री नगर स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय विशिष्ट पूर्व में कड़ी जांच पड़ताल के बाद ही



बूंदी : रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व की समृद्ध जैव विविधता कई सुंदर व दुर्लभ प्रजातियों के पशु-पक्षियों का भी घर है। जंगल भ्रमण के दौरान कालदों के निकट भूकी के नाले में खूबसूरत पक्षी पीलक एक गुर्जन के पेड़ पर भोजन तलाशता नजर आया। उत्तरी भारत में अक्सर यह पक्षी गर्मियों के दिनों में घने हरे-भरे जंगलों, ऊँचे पेड़ों की छांव और शांत जल स्रोतों पर अपनी सुगुरीली आवाज व चटक पीले रंग से आकर्षक लगता है। पीलक या गोल्डन ओरियोल नाम से पहचाने जाने वाले इस पक्षी का बसेरा गांव शहर की चकाचौंध से दूर घने जंगल में प्राकृतिक जलस्रोतों के आसपास होता है। इसकी सुनहरी चमक व मधुर आवाज प्रकृति के हर रंग को और भी जीवंत बना देती है।

दिया कुमारी ने शहीद की मूर्ति का अनावरण किया

सीकर, (निर्स)। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सीकर जिले के खंडेला ब्लॉक के समर्थपुरा गांव के कारगिल शहीद विजेंद्र सिंह शेखावत की प्रतिमा का अनावरण किया तथा उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में क्षेत्र की वीरगनाओं का शांल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। इससे पूर्व सुभाष मौल के नेतृत्व में युवाओं ने तिरंगा रैली निकालकर देशभक्ति का संदेश दिया। इस अवसर पर राज्य स्तरीय सैनिक कल्याण सलाहकार सभित के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजोर, खंडेला विधायक गां गया था। जहां से 1 मई को लौटा तो मकान का ताला टूटा हुआ एवं कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। इस पर तलाशी ली तो चांदी की पायल, कढ़े, सिक्के तथा 1 लाख रुपये नकदी गायब थी। इस पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया। जिसकी जांच हैड कांस्टेबल मदनसिंह कर रहे है।

इसी तरह सायरा थाना क्षेत्र उमरोद गांव निवासी पुनाराम थाने में

उदयपुर में दो मकानों से जेवरात व नकदी चोरी

उदयपुर, (कासं)। शहर के सविना थाना क्षेत्र में स्थित मकान से चोर जेवरात व नकदी चुरा ले गए। अच्यत्र सायरा थाना क्षेत्र के उमरोद गांव में स्थित मकान से जेवरात व नकदी चुरा ले गए।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित रोशलाल गर्ग पुत्र माधवलाल गर्ग निवासी डाकन कोटेडा पार्श्वनाथ कॉलोनी ने अज्ञात चोर के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि चुरे पिता की तबीयत खराब होने पर 29 अप्रैल को खारवा गां गया था। जहां से 1 मई को लौटा तो मकान का ताला टूटा हुआ एवं कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। इस पर तलाशी ली तो चांदी की पायल, कढ़े, सिक्के तथा 1 लाख रुपये नकदी गायब थी। इस पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया। जिसकी जांच हैड कांस्टेबल मदनसिंह कर रहे है।

इसी तरह सायरा थाना क्षेत्र उमरोद गांव निवासी पुनाराम थाने में

प्रकरण दर्ज करवाया।

उसने बताया कि 2 मई रात में मैं परसदी में गया था एवं पत्नी अजकीबाई निचे मकान में सो रही थी। रात में पिछवाड़े से आए चोर मकान के प्रथम मंजिल पर बने कमरे का ताला तोड़कर चांदी की पायल, कंदोरा तथा करीब 70 हजार रुपये नकदी चुरा ले गए। दूसरे दिन सबेरे उपर जाने पर कमरे का ताला टूटा हुआ होकर सामान बिखरा पड़ा था। तलाशी ली तो जेवरात व नकदी गायब थी। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

युवक का शव मिला : उदयपुर शहर के अम्बामता थाना क्षेत्र चांदपोल स्थित पिछोला झील में युवक को शव पानी में होने की सूचना मिली। इस पर हैड कांस्टेबल भरत ने मौके पर पहुंचकर सिविल डिफेंस की टीम की मदद से मृतक को बाहर निकाल एमबी फिकित्सायण मोर्चरी ने रखवाया। मृतक की उम्र करीब 35 वर्ष है और भूरी पेंड पहने है। जिसकी शिनाखा नहीं हो पाई है। शव करीब चार दिन पुराना प्रतीत हो रहा है।

अधेड़ व्यक्ति का शव मिला, परिजनों ने हत्या की आशंका जताई

आरोप लगाया कि अधेड़ की हत्या कर शव को पानी में डाला गया है

गुढ़गाँड़जी, (निर्स)। थाना क्षेत्र के रघुनाथपुरा गांव में एक अधेड़ व्यक्ति का शव पानी की खेळ में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान रघुनाथपुरा निवासी 45 वर्षीय सुनील पुत्र रामेश्वर रेप्सवाल के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही गुढ़गाँड़जी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को गुढ़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी में रखवाया है। परिजनों के अनुसार सुनिल शनिवार सुबह करीब 10 बजे घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। इसके बाद परिवार और ग्रामीणों ने उनकी तलाश की। लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। अगली सुबह गांव के लालचंद मेघवाल रमशान भूमि स्थित पेड़ों को पानी देने पहुंचा। जहां उन्होंने खेळ में एक शव पड़ा देखा। सूचना पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को खेळ से बाहर निकलवाया।

मामले में मृतक के भतीजे उम्मेद सिंह ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए हत्या की आशंका जताई है। परिजनों का



अधेड़ का शव मिलने के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

कहना है कि जिस खेळ में शव मिला, उसमें पानी बहुत कम था। जिससे डूबने से मौत होना संदिग्ध प्रतीत होता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सुनिल की हत्या कर शव को पानी में डाला गया है, ताकि घटना को दुर्घटना का रूप दिया

जा सके। मौके पर मृतक की चपल पानी में मिली। जबकि शव आंशिक रूप से ही पानी में था, जिससे संदेह और गहरा गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव का पोस्टमार्टम मेडिकल बोर्ड से कराया जाएगा और

पानी का सैपल भी जांच के लिए लिया जाएगा। पुलिस का कहना है कि सभी पक्षों को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है और मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

वन्धजीव गणना में सज्जनगली और अमरखुर्जी में दिखा लैपर्ड

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में एक मई से शुरू हुई वन्धजीव गणना शनिवार शाम समाप्त हो गई। अब जंगलों में एक अभयारण्यों में गणना में शामिल ठीक डेटा को कंपाइल कर रिपोर्ट तैयार करेंगे। इस बार भीषण गर्मी के चलते समय बदलते हुए 1 मई शाम 5 बजे से 2 मई शाम 5 बजे तक लगातार 24 घंटे गणना की गई।

उदयपुर शहर के सज्जनगढ़, जिले के जयसमंद और फुलवारी की नाल अभयारण्य सहित विभिन्न वन मंडलों में वनकर्मी मजानों पर तैनात रहकर गणना का कार्य पूरा कर चुके हैं। इस गणना में वन विभाग की टीमों के साथ वन्धजीव प्रेमी भी शामिल हुए। गर्मी के कारण जानवर पानी के कुंडों पर ज्यादा पहुंचते हैं इसलिए बाँटेरहला पद्धति से गिनती की गई। सज्जनगढ़, जयसमंद और फुलवारी की नाल में टैप कर्मरे भी लगाए गए हैं। गणना के दौरान अमरखुर्जी लेपर्ड रिजर्व और सज्जनगढ़ अभयारण्य में लैपर्ड की गतिविधियां देखी गई। उदयपुर में पिछली गणना में लैपर्ड की संख्या 130 दर्ज हुई थी, जिसमें तीनों सेंचुरी में 54 और वन मंडल उदयपुर व उत्तर क्षेत्र में 76 लैपर्ड पाए गए थे।

सीकर : ट्रेलर चोरी के चार आरोपी गिरफ्तार

सीकर, (निर्स)। सीकर में कलवा गांव से ट्रेलर चोरी के मामले में नेछवा पुलिस ने 4 शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों से पूछताछ में खुलासा हुआ कि बदमाशों ने ट्रेलर की पहचान चेसिस नंबर काटकर छिपाई थी। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है, जिसमें वाहन चोरी के कुछ मामलों में खुलासे की संभावना है।

जिला पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नूतावत ने बताया कि ट्रेलर चोरी का 24 घंटे के भीतर वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने कलवा गांव से चोरी हुए ट्रेलर को मय ट्रांली के बरामद कर लिया है। शातिर चोरों ने वाहन की पहचान छिपाने के लिए पहचान मिटा दी थी और चेसिस नंबर

- गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड लिया है**

तक काट दिया था।

नेछवा थानाधिकारी कैलाश चंद्र यादव ने बताया कि 28 अप्रैल को सुतोद गांव निवासी मदनलाल जाट ने नेछवा थाने में उपस्थित होकर ट्रेलर चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़ित मदन ने रिपोर्ट देकर बताया कि उसने कलवा गांव में 28 अप्रैल को ट्रेलर खड़ा किया था, जिसे अज्ञात चोर चुराकर ले गए और अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर इसे बेच दिया। पड़ति से गिनती की गई।

बिजली लाइन के शॉर्ट सर्किट से आग लगी

बज्जू, (निर्स)। बज्जू स्थित मुख्य नहर की आरडी 931 पर दाहिनी ओर की वन पट्टी में बिजली लाइन के शॉर्ट-सर्किट से आग लग गई। घटना में हजारों पेड़ जलकर राख हो गए। सूचना मिलते ही वन विभाग, विद्युत विभाग, पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारी मौके

पर पहुंचे। प्रधान बिश्नोई और ग्रामीण सुनील डूडी और नरसीराम खींचड़ ने बताया कि वन पट्टी से गुजर रही बिजली लाइन के तार हट्टी के कारण सफेदे के बड़े पेड़ों से टकरा गए। इससे तेज शॉर्ट-सर्किट हुआ और पेड़ों में आग लग गई। तेज हवाओं के कारण आग

जल्द ही 2-3 बीघा क्षेत्र में फैल गई, जिससे सफेदे, कीकर और खेजड़ी के हजारों पेड़ जलकर नष्ट हो गए। सूचना पर एसडीएम बज्जू सांवरपाल रंगर के निर्देश पर नायब तहसीलदार नितिन पुरोहित और पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची।

बाँसवाड़ा, उदयपुर, सिरौही में चंदन वन विकसित किये जायेंगे- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने वन विभाग की बैठक में तीनों जिलों के चयनित स्थानों पर दस-दस हजार चंदन के पौधे लगाने के निर्देश दिये

जयपुर, 3 मई। राज्य सरकार द्वारा बाँसवाड़ा के झालिया, उदयपुर के बांकी एवं सिरौही के जनापुर में चंदन वन विकसित किए जाएंगे। इनमें से प्रत्येक चंदन वन में 10 हजार से अधिक चंदन के पौधे रोपित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित बैठक में इन चंदन वनों के लिए गुणवत्तापूर्ण पौधों का चयन करने तथा इनकी सुरक्षा के लिए चयनित स्थानों पर फेंसिंग के कार्य एवं सिंचाई के लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में बाँसवाड़ा, उदयपुर एवं सिरौही में चंदन वनों की रक्षा करना मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित बैठक में इन चंदन वनों के लिए गुणवत्तापूर्ण पौधों का चयन करने तथा इनकी सुरक्षा के लिए चयनित स्थानों पर फेंसिंग के कार्य एवं सिंचाई के लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर वन विभाग की बैठक ली।

के साथ-साथ किसानों की आय में वृद्धि के लिए राज्य सरकार किसानों को फलदार पौधे उपलब्ध करवाएगी। ऐसे में वन विभाग फलदार पौधों के वितरण की भी योजना बनाए। उन्होंने पहाड़ी एवं वन क्षेत्रों में ड्रोन सीडिंग एवं अरावली क्षेत्र में सघन वृक्षारोपण के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसानों की आय में वृद्धि के लिये राज्य सरकार उन्हें फलदार पौधे उपलब्ध करायेगी। उन्होंने पहाड़ी तथा वन क्षेत्रों में ड्रोन सीडिंग के निर्देश दिये।

को अभियान के रूप में लें और सभी विभागों एवं जिलों के लिए पौधारोपण के लक्ष्य निर्धारित करते हुए समन्वय स्थापित करें। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों को जोड़ते हुए, इस अभियान को लेकर आमजन को भी जागरूक करें, ताकि इस अभियान में अधिकाधिक जन भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

इस दौरान मुख्यमंत्री कार्यालय एवं वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं, वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में जुड़े।

निशांत कुमार ने चंपारण से सद्भाव यात्रा शुरू की

पटना, 03 मई। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे और जेडीयू नेता निशांत कुमार ने पटना स्थित पार्टी कार्यालय से अपनी सद्भाव यात्रा की शुरुआत की। इस दौरान पार्टी के दिग्गज नेता और कार्यकर्ताओं का हजूम उमड़ पड़ा। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इस जनसंपर्क कार्यक्रम का उद्देश्य पार्टी संगठन को मजबूत करना और विभिन्न समुदायों के लोगों से जुड़ना है। उन्होंने कहा, "इन्होंने इसे सद्भाव यात्रा का नाम दिया है, जिसका अर्थ

उन्होंने कहा कि यात्रा का उद्देश्य कार्यकर्ताओं से मिलना, उनके विचार सुनना और संगठन को नई ऊर्जा देना है।

है- अमीर, गरीब, दलित, अति-पिछड़ा और अल्पसंख्यक समेत समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलना।

गांधी जी ने अपना पहला सत्याग्रह चंपारण की धरती से शुरू किया था और मेरे पिता ने भी अपनी सभी प्रमुख यात्राएँ वहीं से शुरू कीं। मैं भी वहीं से अपनी यात्रा शुरू कर रहा हूँ।" उन्होंने आगे कहा कि इस यात्रा का मकसद कार्यकर्ताओं से मिलना, उनके विचारों को सुनना और संगठन को नई ऊर्जा देना है।

आज बीकानेर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर संभाग में तेज आँधी-बारिश की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार, कई जगह 50 से 70 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं

जयपुर, 03 मई। प्रदेश में एक नए मजबूत पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से 4 मई को बीकानेर, अजमेर, जयपुर और भरतपुर संभाग के कुछ हिस्सों में तेज आंधी और बारिश की संभावना है। इस दौरान कहीं-कहीं 50 से 70 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएँ चल सकती हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार देर रात आए अंधड़ और बारिश के कारण प्रदेश के अधिकांश शहरों के तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे आमजन को गर्मी से राहत मिली है। रविवार को प्रदेश के छह शहरों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया, जबकि 13 शहरों में न्यूनतम तापमान 25 डिग्री के पार रहा। फलौदी सबसे गर्म स्थान रहा, जहाँ अधिकतम तापमान 44.8 और न्यूनतम 31.2 डिग्री दर्ज किया गया।

मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि राज्य के विभिन्न भागों में मेघ गर्जन, आंधी और हल्लकी से मध्यम बारिश दर्ज की गई है। वर्तमान में अधिकतम तापमान 40 से 43 डिग्री के बीच है, जो सामान्य के आसपास है। उन्होंने

मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर के अनुसार, अगले एक सप्ताह राज्य के कुछ हिस्सों में 40-50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाओं के साथ आँधी-बारिश की संभावना है। जयपुर में रविवार को आंशिक बादल छाए रहे। अधिकतम तापमान 38.3 तथा न्यूनतम 22 डिग्री रिकॉर्ड हुआ।

बताया कि आगामी एक सप्ताह तक राज्य के कुछ हिस्सों में 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाओं के साथ आंधी-बारिश की गतिविधियाँ जारी रहने की संभावना है। नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 4 मई को इन गतिविधियों में और तेजी आ सकती है। इसके चलते अधिकतम तापमान 44 डिग्री से नीचे रहने और हीटवेव से राहत मिलने की संभावना है।

इस बीच जयपुर में शनिवार रात तेज अंधड़ के कारण कई स्थानों पर पेड़ उखड़ने, टोन शेट, होर्डिंग और बिजली के पोल गिरने की घटनाएँ सामने आईं। रविवार को भी शहर में आंशिक बादल छाए रहे और मध्यम गति से हवाएँ चलीं, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई। जयपुर का अधिकतम तापमान 38.3 और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री

दर्ज किया गया, जबकि 5.2 मिमी बारिश हुई। मौसम विभाग ने सोमवार को जयपुर में तेज आंधी और बारिश की संभावना जताई है।

भारत व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रेस विज्ञापन में कहा गया है कि नेपाल सरकार पहले भी भारत सरकार से इस क्षेत्र में सड़क निर्माण या विस्तार, सीमा व्यापार और तीर्थयात्रा जैसी गतिविधियाँ करने का लगातार आग्रह करती रही है।

नेपाल इससे पहले भी कई बार इस क्षेत्र से जुड़े अपने दावे और संवेदनशीलता के बारे में भारत और चीन दोनों को स्मरण करा चुका है।

होर्मुज़ से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जानकारी दी है। मंत्रालय ने बताया कि वहाँ मौजूद सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। पिछले 24 घंटे में किसी भी भारतीय जहाज के साथ कोई घटना नहीं हुई है। विदेश मंत्रालय, विदेशों में भारतीय दूतावास और समुद्री क्षेत्र से जुड़े लोग मिलकर काम कर रहे हैं, जिससे भारतीय नाविक सुरक्षित रहे और जहाजों का काम ठीक से चलता रहे। इसके अलावा, डीजी शिपिंग का कंट्रोल रूम रोज हालात पर नजर रख रहा है। अब तक हजारों फोन कॉल और ईमेल का जवाब दिया जा चुका है। पिछले 24 घंटों में भी कई लोगों ने मदद के लिए संपर्क किया।

ईरान के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राष्ट्रपति और भू-राजनीतिक वास्तविकताओं से निपटने के लिये विकसित किया है। भारत के लिए, अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा विदेश नीति की आधारशिला रही है।

गिरती लोकप्रियता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इंटीग्रेटेड बैटल कमांड सिस्टम और संबंधित उपकरणों की भी मंजूरी दी गई। संभावित बिक्री के मुख्य ठेकेदार नॉर्थग्रिप युएन कॉर्प, आरटीएक्स कॉर्प और लॉकहेड मार्टिन कॉर्प होंगे।

रॉयटर्स ने बताया, अमेरिकी विदेश सचिव मार्क रूबियो ने इन सभी हथियार पैकेजों की मंजूरी का औचित्य यह कहकर दिया कि एक आपातकालीन स्थिति है जो इन हथियारों की तत्काल बिक्री की मांग करती है।

संभावित हथियार बिक्री आमतौर पर कांग्रेस की समीक्षा अवधि के अधीन होती है और हथियारों की मात्रा और मूल्य विक्रेता और उपभोक्ता के बीच बातचीत के बाद तय होते हैं। हालाँकि, विदेश विभाग के बयान में कहा गया कि यह त्वरित हस्तांतरण "अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के हितों में है।"

अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी को ईरान में सैन्य हमले शुरू किए, जिसके बाद तेहरान ने यूएई, कतर और कुवैत सहित मध्यपूर्वी पड़ोसियों पर प्रतिशोधी हमले किए।

जहाँ एक ओर वॉशिंगटन अपने

मिडिल ईस्ट सहयोगियों का समर्थन जारी रख रहा है, वहीं नाटो के साथ इसका मतभेद बढ़ता जा रहा है। जब ट्रम्प प्रशासन ने अमेरिकी सैनिकों की संख्या कम करने का निर्णय लिया, यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति और जर्मनी के नेता फ्रिडरिक मर्ज़ के बीच विवाद के बाद आया। जर्मनी के रक्षा मंत्री बोेरिस पिस्टोरियस ने कहा कि यह कदम अपेक्षित था, क्योंकि मर्ज़ ने मध्यपूर्व में अमेरिकी रणनीति पर सवाल उठाया था। उन्होंने कहा, "हम यूरोपियों को अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी अधिक लेनी होगी।"

ईरान ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहमान बिन जसोम अल-थानी ने ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची से बातचीत की है। यह तब है कि जब इजरायल और अमेरिका के हमलों के बाद दोनों देशों पर दबाव बढ़ने के लिए कदम के नेचुरल गैस प्लांट और हमाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाया है।

भारत ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा कि गैलेक्सीआई का मिशन दृष्टि हमारी अंतरिक्ष यात्रा में एक बड़ी उपलब्धि है। तकनीकी रूप से यह मिशन बेहद खास है। कंपनी के अनुसार, मिशन दृष्टि दुनिया का पहला ऐसा उपग्रह है, जिसमें इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल और सिंथेटिक अपचर रडार सेंसर एक साथ काम करेंगे। यह आधुनिक तकनीक किसी भी मौसम, बादलों के बीच और रात के अंधेरे में भी धरती की स्पष्ट तस्वीरें लेने में सक्षम है। गैलेक्सीआई के सीईओ सुयश सिंह ने बताया कि दृष्टि का मतलब है हर परिस्थिति में देख पाना। यह सैटेलाइट मल्टीस्पेक्ट्रल कैमरा और सिंथेटिक एपचर रडार को एक साथ इस्तेमाल करता है, जो दुनिया में पहली बार किया गया है।

भाजपा के झंडे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वरिष्ठ अधिकारी के लिए वाहन पास की सूचना के गुजर रहा था और जांच के बाद उसे जाने दिया गया, क्योंकि उसमें कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला।

तिरुपति मंदिर ने 70 लाख किलो घी गुणवत्ता जाँच के बिना खरीदा

जाँच आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, मंदिर प्रशासन ने सुरक्षा परीक्षाओं की अनदेखी की व प्रयोगशाला रिपोर्टों को दबाया

रिपोर्ट के अनुसार, टीटीडी अधिकारियों ने अनिवार्य सिटोस्टेरोल परीक्षा जुलाई 2022 से प्रभावी करने के निर्णय को पलट दिया तथा खरीद समिति के सभी सदस्यों की स्वीकृति के बिना निविदा मानदंडों को कमजोर किया।

अगस्त, 2019 में पेश किए गए पात्रता मानदंडों को बिना उचित मूल्यांकन के कमजोर किया गया, जिससे अनुपालन नहीं करने वाली कंपनियों, जैसे-भोलो बाबा ऑर्गेनिक डेयरी मिल्क प्रा. लि. को आपूर्ति की अनुमति मिली, जबकि उनके पास सत्यापित उत्पादन क्षमता नहीं थी।

3 अगस्त, 2022 को केन्द्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सीएफटीआरआई) द्वारा किए गए प्रयोगशाला परीक्षण ने मिलावटी वनस्पति तेलों की पुष्टि की, जो सिटोस्टेरोल की मौजूदगी से घटा चली। लेकिन इन निष्कर्षों को दबाया गया और कंपनियों को निविदा शर्तों के तहत काली सूची में नहीं डाला गया।

तिरुमाला तिरुपति देवस्थान में मिलावटी घी की आपूर्ति की जांच के लिए सेवानिवृत्त आइएएस अधिकारी दिनेश कुमार की अध्यक्षता में एकल सदस्यीय आयोग का गठन किया गया था। कुमार ने रिपोर्ट में कहा, टीटीडी अधिकारियों ने परीक्षा में अनिवार्य एफएसएसएआई (सिटोस्टेरोल) परीक्षण (एक जुलाई, 2022 से

नई दिल्ली, 03 मई। आंध्र प्रदेश सरकार के गठित एकल सदस्यीय आयोग ने स्पष्ट किया है कि मंदिर प्रशासन तिरुमाला तिरुपति देवस्थान (टीटीडी) ने प्रसिद्ध तिरुपति मंदिर के लंबु प्रसादम बनाने के लिए 70 लाख किलोग्राम से अधिक घी बिना अनिवार्य गुणवत्ता जांच के ही खरीदा है।

आयोग ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि यह संवैधानिक विफलता आपूर्तिकर्ताओं को मिलावटी घी प्रदान करने की अनुमति देती है, क्योंकि मंदिर प्रशासन टीटीडी के अधिकारियों ने सुरक्षा परीक्षाओं की अनदेखी की और प्रयोगशाला रिपोर्टों को दबाया, जो वसायुक्त वनस्पति की पुष्टि करती थी। मुख्यमंत्री एन.चंद्रबाबू नायडू ने

होर्मुज़ पर ईरान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसका असर अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, खासकर तेल और गैस आपूर्ति पर पड़ सकता है। दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में गिने जाने वाले इस जलडमरूमध्य से बड़ी मात्रा में कच्चे तेल का परिवहन

अग्रिम जमानत मिलने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किसी दमनकारी सरकार के खिलाफ संघर्ष करता है, तब संविधान ही उसकी रक्षा करता है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम

होता है। लेकिन, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस तरह के किसी भी कदम को लेकर पहले ही चिंता जताई जा चुकी है। कई देशों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों पर एकतरफा प्रतिबंध वैश्विक समुद्री कानूनों के खिलाफ हो सकता है।

कोर्ट ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिंकी भुइयाँ सरमा से जुड़े मानहानि मामले में पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत दी है।

इजरायल ने दक्षिण लेबनान पर 50 हवाई हमले किये, 41 मारे गए

अल जजीरा के अनुसार, पूरे दक्षिण लेबनान पर ड्रोन उड़ रहे हैं, बमबारी से चिहीन शहर में भारी तबाही

बेरूत, 03 मई। इजरायल ने 16 अप्रैल से लागू सैन्य विराम के बीच लेबनान पर हमले तेज कर दिए हैं। अकेले दक्षिणी लेबनान में पिछले 24 घंटों में इजरायल ने 50 हवाई हमले किए हैं। इन हमलों में कम से कम 41 लोग मारे गए। इजरायली हमलों में अब तक अब तक 2,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। इस समय समूचे लेबनान में इजरायली ड्रोन मंडरा रहे हैं।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिणी लेबनान में इजरायली सैन्य गतिविधियाँ और तेज हो गई हैं। इजरायल ने शनिवार शाम से दक्षिणी लेबनान के अधिकांश इलाकों में बमबारी की है। रविवार सुबह कई शहरों में जबदस्त धमाके हुए हैं। स्थिति बहुत तनावपूर्ण बनी हुई है। इस समय दक्षिणी लेबनान के ऊपर ड्रोन उड़ रहे हैं। बमबारी में चिहीन शहर में भारी तबाही हुई है। अल-नुफ्फाह जिले के अर-रयहान शहर में जोरदार विस्फोट हुआ

इजरायल लेबनान में हिजाबुल्लाह की मौजूदगी को अपने अस्तित्व के लिये खतरा मानता है और उसे निशाना बनाता है। वह दक्षिण लेबनान में हिजाबुल्लाह पर लगातार हमले कर रहा है।

है। बिगड़े हालात के बीच दक्षिणी लेबनान के लोग बाल-बच्चों के साथ पलायन कर रहे हैं। पिछले 24 घंटे से समूचा दक्षिणी लेबनान बमबारी का सामना कर रहा है।

लेबनान और इजरायल के मध्य संघर्ष का पुराना इतिहास है। दरअसल 1948 में लेबनान ने अन्य अरब देशों के साथ मिलकर इजरायल के गठन का विरोध किया था। तब से अब तक दोनों देशों के बीच कोई औपचारिक शांति समझौता नहीं हो पाया है। 1970 के दशक में फिलिस्तीन मुक्ति संगठन ने दक्षिणी लेबनान को अपना आधार बनाया और इजरायल पर हमले शुरू किए। इसके जवाब में इजरायल ने

1978 में ऑपरेशन लिटानी शुरू कर दक्षिणी लेबनान पर हमला किया। साल 1982 में पहला लेबनान युद्ध शुरू हुआ। इजरायल ने फिलिस्तीन मुक्ति संगठन को पूरी तरह खदेड़ने के लिए लेबनान पर बड़ा आक्रमण किया। इजरायल की सेना बेहूत तक पहुँच गई। इसी दौरान इजरायली के विरोध में ईरान समर्थित आतंकवादी संगठन हिजाबुल्लाह का उदय हुआ। 2000 में इजरायल ने दक्षिणी लेबनान के अपने कब्जे वाले क्षेत्रों से अपनी सेना वापस बुला ली, लेकिन शेबा फार्म जैसे विवादित इलाकों को लेकर तनाव बना रहा।

साल 2006 में हिजाबुल्लाह ने दो

दिल्ली में चार मंजिला भवन में आग से 9 की मौत

नई दिल्ली, 03 मई। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के विवेक विहार में आज तड़के चार-मंजिला रिहायशी इमारत में आग लग गई। इस हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई। कई लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। दो लोग मामूली रूप से झुलस गए हैं। उन्हें गुरु तेग बहादुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के मुताबिक, तड़के करीब 3:48 बजे विवेक विहार थाना को एक पीसीआर कॉल के माध्यम से आग लगने की सूचना मिली। पुलिस और दमकल

विभाग की टीमों सहित अन्य टीमों तत्काल घटनास्थल (विवेक विहार फेज-1 स्थित मकान नंबर बी-13) पर पहुँचीं। दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल पर ऊंची लपटें उठ रही थीं।

मणिपुर : बम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की। यह घटना अब भी स्थानीय लोगों के बीच डर और आक्रोश का कारण बनी हुई है, जबकि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

इजरायली सैनिकों का अपहरण कर लिया। इस घटना के बाद 34 दिनों तक भीषण युद्ध चला। यह युद्ध संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव 1701 के बाद युद्धविराम के साथ समाप्त हुआ। अक्टूबर 2023 में हिजाबुल्लाह ने हमला के समर्थन में उत्तरी इजरायल पर रॉकेट हमले शुरू किए। इसके जवाब में इजरायल ने लेबनान में हवाई हमले और सीमित जमीनी अभियान तेज कर दिए।

साल 2024 के अंत में इजरायल ने दक्षिणी लेबनान में हिजाबुल्लाह के ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हमले किए। इस साल पिछले महीने अप्रैल में अमेरिकी मध्यस्थता के बाद इजरायल और लेबनान के बीच संक्षिप्त युद्ध विराम लागू हुआ। इजरायल लेबनान में हिजाबुल्लाह की मौजूदगी को अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता है और उसे निशाना बनाता है। वह दक्षिणी लेबनान में हिजाबुल्लाह पर लगातार हमला कर रहा है।

सचिन पायलट ने आसीन्द में भगवान देवनारायण महायज्ञ में आहुतियाँ दीं

उन्होंने कहा कि हर जनप्रतिनिधि को जनभावनाओं को सुनकर उसके आधार पर काम करना चाहिए

धीलवाड़ा, 3 मई (कांस)। कांग्रेस महासचिव और राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने रविवार को श्री बैकुंठ धाम बरनाघर आसीन्द में आयोजित भगवान देवनारायण के 51 कुंडीय विष्णु महायज्ञ एवं मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में शिरकत की। पायलट ने यज्ञ में आहुतियाँ देकर देश-प्रदेश की खुशहाली की मंगलकामना की। इस दौरान सवाई भोज पीठ के महंत सुरेश दास, दौसा सांसद मुरारी लाल मीणा, सचिव धीरज गुर्जर, पूर्व मंत्री रामलाल जाट समेत, हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे।

सचिन पायलट ने अपने संबोधन में कहा कि इस क्षेत्र में हम सब लोग आए और इस प्राचीन प्रसिद्ध धरती पर, यहाँ की भूमि पर अपना शीश झुकाकर आशीर्वाद मांग सके, प्रार्थना कर सके। आप सब लोगों से मुलाकात कर सके। उन्होंने कहा कि यह राजनीतिक मंच नहीं है, लेकिन दो-चार मन की बातें हैं। हम सब जनप्रतिनिधि हैं, कोई विधायक है, सांसद है, पूर्व विधायक है। सब राजनीति में हैं, हम अपना-अपना काम करते हैं। जो व्यक्ति राजनीतिक कार्यकर्ता है, उसे जनता के बीच में रहना है। देश और प्रदेश में अलग-अलग सोच है, अलग-अलग विचारधारा है और हर कार्यकर्ता चुनता है कि मुझे किस विचारधारा से जुड़ना है। अंतिम निर्णय जनता करती है-किसको जिताना है, हराना है, राज देना है, ये जनता का काम है।

पायलट ने कहा कि, जो जनप्रतिनिधि हैं, वो चाहे जीतें या हारें, सत्ता में हों या विपक्ष में हों, उन्हें हमेशा ईमानदारी के साथ जनता के बीच में रहकर, जन-भावनाओं को सुनकर उसके आधार पर काम करना चाहिए। जनता जिनको विधायक-सांसद चुनती है, उन्हें भी पूरे क्षेत्र के 100 प्रतिशत

सचिन पायलट ने आसीन्द में भगवान देवनारायण महायज्ञ में आहुतियाँ दीं

उन्होंने कहा कि हर जनप्रतिनिधि को जनभावनाओं को सुनकर उसके आधार पर काम करना चाहिए



कांग्रेस महासचिव व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने रविवार को श्री बैकुंठ धाम बरनाघर आसीन्द में आयोजित भगवान देवनारायण के 51 कुंडीय विष्णु महायज्ञ एवं मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में शिरकत की।

वोट नहीं मिलते। परंतु जो व्यक्ति चुनाव जीतता है, जो दल जीतता है, वो शासन-सरकार चलाता है। उसको सबका होना पड़ता है, मन से यह बात निकालनी

पड़ेगी कि उसने ने मुझे वोट दिया या नहीं दिया। कांग्रेस महासचिव ने कहा राजस्थान में लोग पिछले दो-दो साल

श्री बैकुंठ धाम बरनाघर आसीन्द में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के बाद पूर्व उपमुख्यमंत्री ने क्षेत्रवासियों को आश्वासन दिया कि "जब-जब गरीब व किसान पर संकट आयेगा, देश-प्रदेश में अत्याचार, अन्याय होगा, मैं और मेरे सभी साथी आपके साथ खड़े रहेंगे।"

से भुगत रहे हैं, लेकिन अब जो भी हो, दो-दो साल और भुगतना पड़ेगा और जब समय आएगा, तब सही जनता के लिए सब सही होगा। इस प्रसिद्ध प्राचीन मंदिर में जो लोगों की आस्था है, उसको नमन करने के लिए मैं अकेला नहीं, हम सब साथी मेवाड़ से, जयपुर से, सब लोग यहाँ पर आए। मंदिर के साथ-साथ जो हमारी जनादन है, जनता, उसके दर्शन आज हमको मिले, इसलिए अपना सौभाग्य मानता हूँ। पायलट ने क्षेत्रवासियों से कहा, आप लोगों ने जिस मजबूती के साथ अपना आशीर्वाद दिया, अपना सहयोग दिया और हमेशा, समय अच्छा हो या बुरा हो, आप लोगों ने हमेशा दोनों हाथों से आशीर्वाद दिया, उनके प्रति मैं शीश झुकाता हूँ। मैं इस बात का आश्वासन देता हूँ- जब हमारे गरीब और किसान पर संकट आएगा, जब-जब देश-प्रदेश में अत्याचार, अन्याय होगा, मैं और हमारे सब साथी आपके साथ खड़े रहेंगे।